कार्तिक शुक्ल पक्ष -प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 123 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
10 नवंबर 2026 मंगलवार

आज का मौसम
30.5 अधिकतम
13.5 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

न्यूज विंडो

भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द



हैमिल्टन। बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच रद्द कर दिया गया। हैमिल्टन में आज सिर्फ टॉस हो सका। तय किया गया कि मुकाबला 40-40 ओवर का होगा। लेकिन, लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया। यह मैच धुल जाने से इतना तय हो गया है कि टीम इंडिया अब यह सीरीज नहीं हार सकती। पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले भारत जीत चुका है। अब अगर न्यूजीलैंड आखिरी दो मैच जीत भी लेता है तो भी सीरीज बराबर ही होगी।

बुकर पुरस्कार जीतने वाले सबसे उम्रदराज शख्स बने हैरिसन



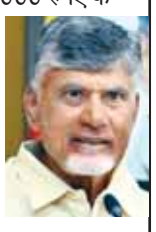
लंदन। ब्रिटिश लेखक एम जॉन हैरिसन को अपने उपन्यास 'द एंड ऑफ एवरीथिंग' के लिए 2026 का बुकर पुरस्कार मिला है। उन्होंने 81 साल की उम्र में यह प्रतिष्ठित साहित्यिक सम्मान जीता है। इसके साथ ही उनके नाम के साथ एक और उपलब्धि जुड़ गई है। वह ये पुरस्कार पाने वाले अब तक के सबसे उम्रदराज़ लेखक बन गए हैं।लंदन में आयोजित एक समारोह में हैरिसन विजेता घोषित किए गए। उन्होंने शॉर्टलिस्ट किए गए अन्य पांच लेखकों को पीछे छोड़ दिया। उन्हें पुरस्कार के रूप में 50,000 पाउंड (लगभग 62 लाख रुपये) मिले।

सिंगरौली : मकान ढहा, 8 लोग दबे...पिता-दादी और बेटी की मौत



सिंगरौली। सिंगरौली जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के बरहपान गांव के जलहथनी टोला में देर रात भोजन के बाद सो रहे परिवार पर कच्चा मकान गिर गया। मलबे में दबने से अरुण विश्वकर्मा , उनकी मां संतुलिया और 2 साल की बेटी की मौत हो गई। हादसे में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों और प्रशासनिक टीम ने जेसीबी से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। रात करीब एक बजे तक शवों और घायलों को मलबे से बाहर निकाला गया। जिनका निजी अस्पताल में इलाज जारी है। एसडीएम और पुलिस अफसरों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य का जायजा लिया।

आंध्रप्रदेश के सीएम चंद्रबाबू बोले- 500-2000 के नोट बंद हों



अमरावती। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग अमरावती में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई।

कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद कहा- खत्म कर दी ईरान की लीडरशिप

दुनिया को राहत... ट्रंप बोले- ईरान से जंग लगभग खत्म, अब हमले की जरूरत नहीं

वाशिंगटन डीसी , एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध लगभग खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि फिलहाल अमेरिका मौजूदा स्थिति बनाए रखेगा लेकिन किसी भी बदलाव की स्थिति में अमेरिकी सेना तैयार है। ट्रंप ने हाल ही में कतर के प्रधानमंत्री मुलाकात की थी। उसके बाद उन्होंने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा, सैन्य तौर पर ईरान का मामला लगभग खत्म हो चुका है। ईरान की लीडरशिप खत्म कर दी गई है। हालांकि, अमेरिका अब भी यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ईरान का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय के लिए टल जाए।

ट्रम्प ने यह बयान कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम अल थानी से मुलाकात के बाद दिया। इस मुलाकात के बाद वे अचानक व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम पहुंचे और पत्रकारों से बात की। राष्ट्रपति ने ईरान पर दोबारा हमले की धमकी से पीछे हटने के संकेत भी दिए। ट्रम्प ने कहा कि पूरा मध्य पूर्व अब यूरेनियम से जुड़े खतरों से सुरक्षित है और ऐसा लग रहा है कि यह संघर्ष खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्द खत्म हो जाएगा। इससे पहले उन्होंने रविवार को ष्टहह्म को फोन पर दिए इंटरव्यू में कहा था कि अगर ईरान के साथ बातचीत में प्रगति होती है और वह एक मजबूत समझौते पर हस्ताक्षर करता है, तो दोबारा हमले की जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है। गौरतलब है कि अमेरिकी सेना ने पिछले एक हफ्ते में दो बार ईरान पर सीमित हमले किए हैं। इनमें ईरान की एयर डिफेंस प्रणाली को निशाना बनाया गया। इसके अलावा, शनिवार को अमेरिकी सेना ने एक कमर्शियल जहाज पर गोलीबारी कर उसे निष्क्रिय कर दिया। अमेरिका का दावा है कि यह जहाज ईरानी बंदरगाहों पर लगी उसकी नौसैनिक नाकेबंदी को तोड़ने की कोशिश कर रहा था।

ईरान भी बोला- अमेरिका जंग खत्म करे तो 48 घंटे में होर्मुज खोल देंगे



रूस-यूक्रेन लड़ाई से थक चुके: ट्रंप

अबू धाबी में रूस-यूक्रेन वार्ता पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, मुझे लगता है कि यूक्रेन और रूस लड़ते-लड़ते थक चुके हैं। मैं उन्हें एक साथ लाने में कामयाब रहा हूं और अभी हमारी बातचीत चल रही है। बैठकें ठीक चल रही हैं और हम इसे सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं कि इससे एक देश के तौर पर हम पर कोई असर पड़ता है बल्कि इसलिए क्योंकि यह मुझे प्रभावित करता है। हर महीने 25 हजार लोग मारे जा रहे हैं।

अमेरिकी चुनावों पर युद्ध का असर

ट्रम्प ने ईरान के साथ आठ महीने से जारी युद्ध का जिक्र ऐसे समय किया है, जब पिछले हफ्ते हुए अमेरिकी मिडटर्म चुनावों में उनकी रिपब्लिकन पार्टी ने कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत गंवा दिया। चुनावों के दौरान अमेरिकी मतदाताओं में युद्ध को लेकर नाराजगी भी एक मुद्दा रही। इस युद्ध के कारण ईंधन की कीमतों में तेजी आई, जिसका असर अमेरिका और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र पर पड़ा।उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी माना कि ईरान युद्ध रिपब्लिकन पार्टी की हार की वजहों में शामिल था। ट्रंप ने भी स्वीकार किया कि अमेरिकी मतदाताओं को युद्ध पसंद नहीं आया। हालांकि, उन्होंने ईरान पर हमले के अपने फैसले का बचाव किया और कहा कि अगर उन्हें दोबारा फैसला लेना पड़े तो वह फिर हमला करने के पक्ष में होंगे।

ईरान बोला- तो... होर्मुज खोल देंगे

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अगर अमेरिका हर मोर्चे पर जंग खत्म करता है, तो ईरान दो दिन के अंदर होर्मुज स्ट्रेट खोल देगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अमेरिका को पहले ईरान की शर्तें माननी होंगी। ऐसा नहीं हुआ तो ईरान जवाबी हमला करने के लिए तैयार है। अराघची ने कहा कि ईरान हर तरह की स्थिति का सामनां करने के लिए तैयार है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने अपने हथियार मजबूत किए हैं, सेना की कमजोरियां दूर की हैं और नए हथियारों का परीक्षण किया है। उनके मुताबिक, ईरानी सेना पूरी तरह अलर्ट है। होर्मुज स्ट्रेट समुद्र का एक अहम रास्ता है। यहां से दुनिया के कई देशों तक कच्चा तेल और गैस पहुंचता है।

मुख्यमंत्री की उज्जैन में बोहरा समाज के धर्मगुरु से भेंट

उज्जैन, दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन में बोहरा समाज के धर्मगुरु, सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन साहब से भेंट की। सैयदना साहब ने दीपावली के पावन पर्व पर शुभकामनाएं दीं और प्रदेश की प्रगति एवं सुख-समृद्धि और कल्याण के लिए अपना आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में संचालित विभिन्न विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं पर सार्थक चर्चा की। सैयदना साहब ने विशेष रूप से सिंहस्थ-2028 के दृष्टिगत उज्जैन के कायाकल्प एवं विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।



2013 में की थी शादी

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

अमरावती, एजेंसी। आंध्रप्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया। दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है।



सुप्रीम कोर्ट से फिर गुहार

70 हजार शिक्षकों को एरियर नहीं देना चाहती सरकार

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश सरकार ने करीब 70 हजार शिक्षकों को छठवें वेतनमान का एरियर देने के जबलपुर हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सरकार ने अपनी याचिका में प्रदेश की वित्तीय स्थिति का हवाला देते हुए एरियर्स और वेतनवृद्धि से जुड़े वित्तीय भार से राहत देने की मांग की है। शिक्षकों को वर्ष 2006 से एरियर्स देने पर करीब 5600 करोड़ रुपए खर्च होंगे। वहीं, वेतन बढ़ने से हर साल करीब 1300 करोड़ रुपए का अतिरिक्त भार आएगा। हाईकोर्ट ने प्रदेश के करीब 70 हजार शिक्षकों को वर्ष 2006 से छठवें वेतनमान का एरियर्स देने के निर्देश दिए थे। इस आदेश के पालन से सरकार पर बड़ा वित्तीय भार आने का अनुमान है।



सोनिया की 'बिलॉन्गिंग-अ जर्नी ऑफ लव' लॉन्च

राजीव से पहली मुलाकात, पीएम पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' आज लॉन्च हो गई है। बिना किसी लॉन्च इवेंट के यह सीधे मार्केट में मिलने लगी है। सोनिया ने इस मेमॉयर को निजी किताब बताया है, उन्होंने कहा कि यह राजनीतिक किताब नहीं है।

सोनिया ने यह किताब राहुल-प्रियंका और आने पोते-पोतियों को डेडिकेट की है। इसमें शुरुआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, मेरी बेटी प्रियंका और मेरे पोते-पोतियों रैहान और मिराया के नाम। किताब में एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं।



पहली नजर में हुआ प्यार

सोनिया गांधी 19 साल की उम्र में इटली से अंग्रेजी सीखने कैम्ब्रिज पहुंचीं। वहां एक ग्रीक रेस्टोरेंट में उनकी नजर राजीव गांधी पर पड़ी। जनवरी के एक दिन दोस्त क्रिश्चियन वॉन स्टिगलिट्ज़ ने दोनों की मुलाकात कराई। सोनिया के मुताबिक, पहली मुलाकात में ही दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। राजीव दिल्ली से कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने आए थे। धीरे-धीरे दोनों की मुलाकातें बढ़ने लगीं। दोनों को लगने लगा था कि वे हमेशा साथ रहना चाहते हैं।

2004 में तय कर लिया था कि पीएम नहीं बनेंगी

सोनिया गांधी ने किताब में बताया कि उन्होंने 2004 में ही तय कर लिया था कि प्रधानमंत्री नहीं बनेंगी। राहुल और प्रियंका भी उन्हें इस पद पर नहीं देखना चाहते थे। दोनों के मन में दादी इंदिरा और पिता राजीव गांधी की हत्या की यादें थीं। उन्हें लगता था कि प्रधानमंत्री बनने से सोनिया की जान को खतरा बढ़ सकता है। सोनिया ने लिखा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने इस फैसले को सार्वजनिक नहीं किया, ताकि पार्टी में नेतृत्व को लेकर खींचतान न हो।

आज का कार्टून



मेट्रो एंकर

सेंसर से पकड़ते हैं छिपे लीकेज, कूलिंग मशीनों से भी पानी की करते हैं रिकवरी

दो इंजीनियरों का कमाल... 130 इमारतों में बचाया पांच अरब लीटर पानी

चेन्नई, एजेंसी

पानी की बर्बादी रोकने के लिए हमेशा लोगों की आदतें बदलने की जरूरत नहीं होती, कई बार तकनीक ही यह काम कर सकती है। चेन्नई के दो इंजीनियरों ने इसी सोच के साथ ऐसी तकनीक विकसित की है, जिसकी मदद से 130 से अधिक व्यावसायिक इमारतों में अब तक पांच अरब लीटर से ज्यादा पानी बचाने का दावा किया गया है। इस पहल के पीछे आईआईटी मद्रास से जुड़ा स्टार्टअप अर्थफोकस (EarthFokus) है। इसकी शुरुआत 2019 में इंजीनियर अरुण सुब्रमण्यम और ऋषि वंदन ने की थी।

इसकी शुरुआत एक सामान्य नल से हुई थी। वर्ष 2019 में चेन्नई में जल संकट गहराया हुआ था। शहर के जलाशयों में पानी बेहद कम रह गया था। इसी दौरान अरुण ने घरों और इमारतों में नलों से होने वाली बर्बादी पर ध्यान दिया। सामान्य नल से एक मिनट में 10 से 12 लीटर पानी निकल सकता है, जबकि हाथ धोने जैसे काम में इसका बड़ा हिस्सा बिना उपयोग के बह जाता है। टीम ने ऐसा उपकरण तैयार किया, जिससे पानी का प्रवाह घटाकर 0.5 लीटर प्रति मिनट तक लाया जा सकता है। कोविड के दौरान बार-बार हाथ धोने की जरूरत बढ़ी तो इस तकनीक को कॉरपोरेट कंपनियों से भी शुरुआती ऑर्डर मिले। कॉग्निजेंट उनमें शामिल थी।

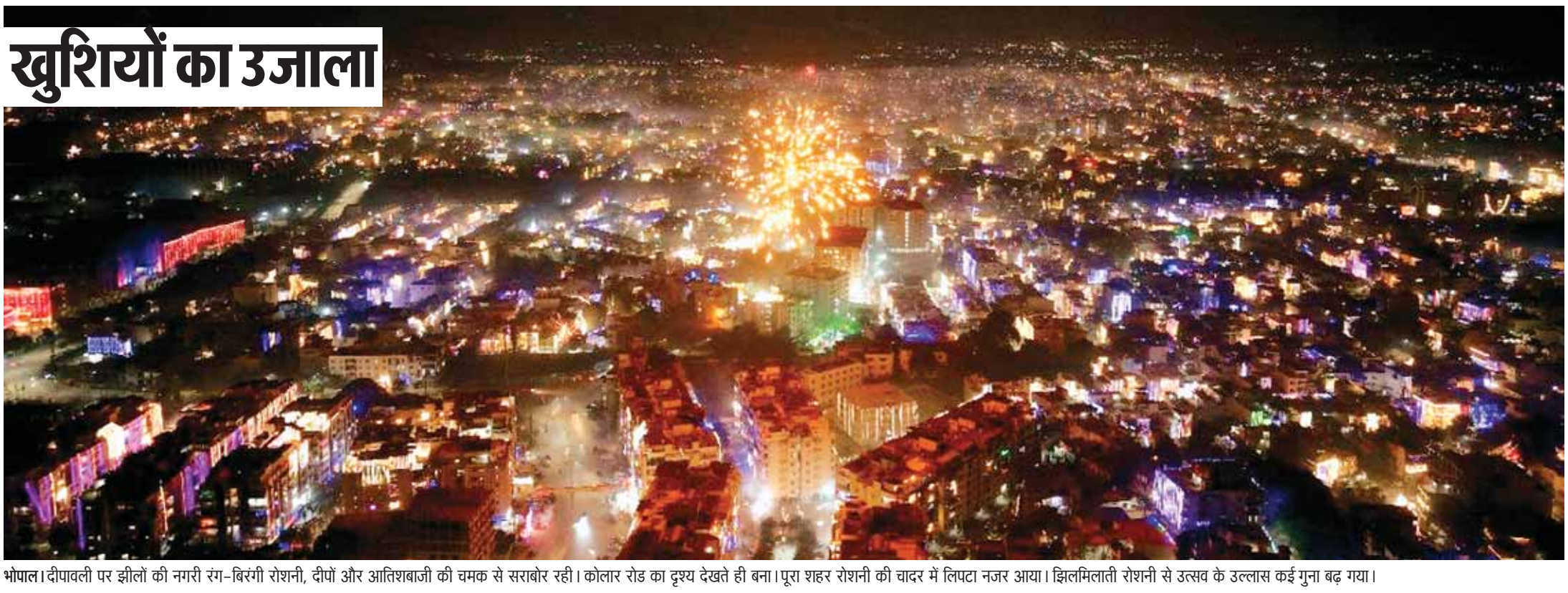


कंपनियों में दिखा तकनीक का असर

इस तकनीक का एक उदाहरण वीवर्क इंडिया है। पहले यहां अलग-अलग केंद्रों में पानी की खपत का हिसाब कर्मचारियों द्वारा मीटर पढ़कर लगाया जाता था। वाटरओएस लगाने के बाद खपत की लगातार निगरानी संभव हुई। कंपनी के अनुसार, प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की खपत 45 लीटर से घटकर 29 लीटर रह गई। वीवर्क का लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक इसे 20 लीटर तक लाना है। अर्थफोकस का दावा है कि कॉग्निजेंट के चेन्नई परिसर में उसके नल संबंधी उपायों से रोजाना पानी की मांग करीब 80 प्रतिशत कम हुई। कंपनी अब कूलिंग टावरों से पानी वापस प्राप्त करने वाली तकनीक का विस्तार करना चाहती है। उसका काम यह दिखाता है कि पानी बचाने के लिए केवल नई जलापूर्ति व्यवस्था बनाना ही जरूरी नहीं, मौजूदा पानी की बर्बादी रोकना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

सेंसर बताएंगे कहां बह रहा पानी: इसके बाद इंजीनियरों ने महसूस किया कि केवल नल का पानी बचाना पर्याप्त नहीं है। बड़ी इमारतों में पाइपों, शौचालयों और वाल्वों से होने वाले छिपे रिसाव का पता अक्सर देर से चलता है। इसके लिए उन्होंने वाटरओएस (WaterOS) विकसित किया। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सामान्य खपत के पैटर्न को समझती है और उसमें असामान्य बदलाव होने पर चेतावनी देती है। लगातार पानी बहने का संकेत मिले तो सिस्टम इसकी सूचना देता है। इसके बाद कर्मचारी जांच कर सकते हैं कि कहीं फ्लश, वाल्व या पाइप में रिसाव तो नहीं है। इस तरह महीने के अंत में बिल आने का इंतजार किए बिना गड़बड़ी पकड़ी जा सकती है।

खुशियों का उजाला



भोपाल। दीपावली पर झीलों की नगरी रंग-बिरंगी रोशनी, दीपों और आतिशबाजी की चमक से सराबोर रही। कोलार रोड का दृश्य देखते ही बना। पूरा शहर रोशनी की चादर में लिपटा नजर आया। झिलमिलाती रोशनी से उत्सव के उल्लास कई गुना बढ़ गया।

न्यूज विंडो

इकोलॉजिकल पार्क में तेंदुए के शावक ने किशोर पर किया हमला

भोपाल। राजधानी के बागमुगलिया क्षेत्र स्थित इकोलॉजिकल पार्क में तेंदुए की मौजूदगी सामने आई है। पार्क क्षेत्र में एक तेंदुए के शावक ने 16 वर्षीय किशोर आदित्य कश्यप पर हमला कर दिया। हमले में युवक को पंजे से चोट आई। किशोर पार्क के पास टहल रहा था। हमले के बाद परिजन उसे तत्काल अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) लेकर पहुंचे। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई। इधर वन विभाग को जानकारी मिली तो टीम हरकत में आई। तेंदुए की तलाश शुरू की। घटना के बाद पार्क और आसपास के इलाके में वन्यजीव की मौजूदगी को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

पत्नी से विवाद के बाद घर से निकले युवक की संदिग्ध मौत

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र के हिनोतिया आतम में पत्नी से विवाद के बाद घर से निकले 47 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। एसआई सुनील त्रिपाठी के अनुसार संजीव कुमार पिता कालीनाथ (47) हिनोतिया आतम में रहता था और सेंटेरिंग का काम करता था। रात में किसी बात को लेकर उसका पत्नी से विवाद हो गया था। कहासुनी के बाद वह नाराज होकर घर से निकल गया। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह स्थानीय निवासी सुनील लोवंशी ने एक व्यक्ति का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान तत्काल नहीं हो सकी थी। मोबाइल चालू करने के बाद परिजनों के फोन आने पर उसकी पहचान संजीव कुमार के रूप में हुई।

कोलार में दो अलग-अलग हिस्सों में दो युवकों ने लगाया फंदा, मौत

भोपाल। कोलार इलाके में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो युवकों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों अपने परिवार के इकलौते बेटे थे। पुलिस के अनुसार, पहली घटना कोलार के जेके टाउन की है। यहां रहने वाला 25 वर्षीय अभिषेक सोनी निजी नौकरी करता था। वह डिप्रेशन से जूझ रहा था। दीपावली की सुबह उसने घर के अंदर फांसी लगा ली। सूचना मिलने घर पहुंची पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें अभिषेक ने प्रेमिका से शादी नहीं हो पाने का जिक्र किया है। दूसरी घटना काली झुग्गी की है। यहां रहने वाले बलवीर गौर ने भी दीपावली के दिन फांसी लगाकर जान दे दी। वह भी परिवार का इकलौता बेटा था। आत्महत्या के कारणों और घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

बेकाबू रफ्तार का कहर:12 साल के बच्चे और नवदंपती समेत 5 की मौत

भोपाल। राजधानी और आसपास के इलाकों में पिछले 24 से 48 घंटों के दौरान अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत हो गई। इनमें 12 साल का बच्चा, नवदंपती और दो अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं। इसके अलावा ट्रेन से कटने और खुदकुशी के एक-एक मामले में भी पुलिस जांच कर रही है। मिसरोद के 11 मील इलाके में तीन दिन पहले सड़क पार कर रहे 12 वर्षीय सौरभ प्रजापति को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल सौरभ ने एम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह पिता की दुकान पर हाथ बंटाता था। वहीं, बैरसिया के करारिया जोड़ पर सिरोंज रोड में हुए हादसे में विदिशा निवासी मिथुन प्रजापति (30) और उनकी पत्नी पूजा (21) की मौके पर मौत हो गई। इधर, रातीबड़ के छोटी झगरिया खुर्द में सड़क किनारे 30 वर्षीय अज्ञात युवक का शव मिला। आशंका है कि तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मारी थी।

कागज पर लगाई रोक-जमीन पर कार्रवाई नहीं, नतीजा...

खूब बिकी कार्बाइड गन, 1 बच्चे की आंख फटी, 13 अस्पताल में

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रतिबंध के बाद भी दीपावली पर कार्बाइड गन की बिक्री नहीं रुकी। इसका इस्तेमाल भी नहीं रुका। इससे 14 साल के बच्चे की आंख की सफेद परत फट गई। बारूद के कण आंख के अंदर तक पहुंच गए। हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों ने करीब एक घंटे तक ऑपरेशन कर फटी परत को टांकों से जोड़ा। हालांकि, बच्चे की आंख की रोशनी बच पाएगी या नहीं, इस पर अभी संशय है। दीपावली के दौरान हमीदिया अस्पताल में आंखों और कानों में चोट के कुल 13 मामले पहुंचे। इनमें एक बच्चे के कान में भी चोट आई। पिछले साल भी दीपावली पर करीब 125 घायल अस्पताल पहुंचे थे। इनमें लगभग 100 मरीजों की आंखों में गंभीर चोटें थीं, जबकि दो दर्जन से ज्यादा लोगों की रोशनी चली गई थी।

हर साल दीपावली के बाद पटाखों से आंखों में चोट के मामले सामने आते हैं, लेकिन प्रतिबंधित कार्बाइड गन की बिक्री पर रोक नहीं लग पा रही है। यह गन ई-कॉमर्स साइट्स पर आसानी से उपलब्ध है। इसकी कीमत 1500 से 2000 रुपए तक थी और 7 से 10 दिन में डिलीवरी का दावा किया जा रहा था। ऑनलाइन बिक्री की जानकारी सामने आने के बावजूद इसे रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई।



आंख में खून जमा, एम्स भेजा तो पता आंख की बाहरी दीवार फट गई

हमीदिया अस्पताल के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस कुबरे की मानें तो बच्चे को ओपन ग्लोब इंजरी हुई थी। इसमें आंख की बाहरी दीवार पूरी मोटाई में फट जाती है। बच्चे की आंख की सफेद परत (स्क्लेरा) पूरी तरह फट गई थी। आंख के अंदर खून जमा होने के साथ लेंस भी प्रभावित हुआ, जिससे मोतियाबिंद बन गया। डॉक्टरों ने सर्जरी कर फटी परत को टांकों से जोड़ा। आंख के पिछले हिस्से और रेटिना के उपचार के लिए बच्चे को एम्स भोपाल रेफर किया गया है। वहां विट्रेक्टॉमी सर्जरी की जरूरत पड़ सकती है। फिलहाल उसकी आंख की रोशनी बचने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

डॉक्टरों ने सात साल की बच्ची की आंख से निकाले पटाखे के कण

दीपावली की रात 7 साल की बच्ची की आंख की काली पुतली के आसपास पटाखे के छोटे कण फंस गए थे। डॉक्टरों ने जांच के बाद कण निकाल दिए। बच्ची की स्थिति स्थिर है। एहतियात के तौर पर उसे अस्पताल में भर्ती रखा गया, जबकि आंख में चोट के तीन अन्य मरीजों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

आतिशबाजी से 38 जगह आग, पूरे परिवार का रेस्क्यू

दिवाली पर आतिशबाजी के बीच आगजनी की घटनाओं ने दमकल विभाग की मुश्किलें बढ़ा दीं। शहर में अलग-अलग जगहों पर करीब 38 स्थानों पर आग लगी। इनमें घोड़ा नक्कास की दुकान, नूर महल का कबाड़ और गांधीनगर की कॉलोनी के फ्लैट में लगी आग बड़ी घटनाएं रहीं। घोड़ा नक्कास में तीन मंजिला बिल्डिंग में आग लगने के बाद एक ही परिवार के तीन लोगों को रेस्क्यू करना पड़ा। वहीं, गांधीनगर में लाखों का सामान जल गया। छोला टिंबर मार्केट के लकड़ी गोदाम और बोट क्लब के पास झाड़ियों में भी आग लगी। दमकल टीमों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया। घोड़ा नक्कास क्षेत्र में कुंदन नमकीन के सामने तीन मंजिला बिल्डिंग में अचानक आग लग गई। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ड्रायफ्रूट्स, सुपारी, पन्नी और किराना की दुकानें हैं। पहली और दूसरी मंजिल पर लॉज है। तीसरी मंजिल पर अजय रैकवार पत्नी और दो बेटियों के साथ रहते हैं। आग ग्राउंड फ्लोर पर ड्रायफ्रूट्स और सुपारी की दुकान में लगी। दुकान में आग देखकर अजय उसे बुझाने नीचे पहुंचे, लेकिन उनका परिवार ऊपर ही फंस गया। कुछ साहसी युवकों ने दमकलकर्मियों की मदद से परिवार के तीन सदस्यों को नीचे उतारा।

स्वच्छ सर्वेक्षण: कल दिल्लीमें राष्ट्रपति करेंगी पुरस्कृत

आदमपुर में जमा 5 लाख टन कचरे से 'स्वच्छता' पुरस्कार में नंबर-2 से भोपाल बाहर



भोपाल। दोपहर मेट्रो

सात साल की मेहनत से स्वच्छता रैंकिंग में देश के दूसरे सबसे साफ शहर का मुकाम हासिल करने वाला भोपाल अब राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार की दौड़ से बाहर होता दिख रहा है। शहर की इस गिरावट के पीछे दो बड़ी वजहें सामने आई हैं। आदमपुर छावनी में करीब 5 लाख टन पुराना कचरा अब तक पड़ा है, जिसके निपटान का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। वहीं, सर्वेक्षण के दौरान मैदानी हकीकत जांचने तीन टीमों में से जून-जुलाई में सिर्फ पहली टीम ही भोपाल पहुंची। दूसरी टीम का इंतजार ही होता रहा। इसका असर पुरस्कार समारोह के न्योते में भी दिख रहा है। कल नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के विजेता शहरों को सम्मानित करेंगी। सुपर स्वच्छ लीग में शामिल इंदौर-देपालपुर की जोड़ी को न्योता मिला है। भोपाल-बैरसिया को बुलावा नहीं मिला। निगम के अफसर दिनभर न्योते का इंतजार करते रहे। माना जा रहा है, भोपाल-बैरसिया इस बार स्वच्छ शहर जोड़ी का पुरस्कार हासिल नहीं कर पाएंगे।

आदमपुर का 5 लाख टन कचरा बना चुनौती

भोपाल ने भानपुर खंती में वर्षों से जमा पुराने कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निपटान कर स्वच्छता व्यवस्था में सुधार किया था। लेकिन आदमपुर छावनी में पुराना कचरा बड़ी समस्या बना हुआ है। यहां 5 लाख टन कचरा जमा है। इसके निपटान को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। यह छवि पर सवाल खड़े कर रहा है।

ड्रग नेटवर्क खंगाल रही डीआरआई की टीम

भोपाल में ट्रेन से 2 करोड़ की कोकीन के साथ विदेशी महिला गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस और आरपीएफ की टीम ने भोपाल रेलवे स्टेशन पर जीटी एक्सप्रेस से 500 ग्राम कोकीन के साथ विदेशी महिला को गिरफ्तार किया है। कोकीन की कीमत करीब 2 करोड़ रुपए से ज्यादा बताई जा रही है। डीआरआई को सूचना मिली थी कि विदेशी महिला ट्रेन में ड्रग के साथ सफर कर रही है। इसके बाद भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर ट्रेन की घेराबंदी कर सेकंड एसी कोच से विदेशी महिला को पकड़कर तलाशी ली गई। इस दौरान उसके पास से कोकीन बरामद की गई। डीआरआई के साथ आरपीएफ की टीम भी इस कार्रवाई में शामिल थी।

कोकीन लेकर चेन्नई से दिल्ली जा रही थी महिला

जानकारी के मुताबिक विदेशी महिला ट्रेन से चेन्नई से दिल्ली जा रही थी। विदेशी महिला पर एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया गया है। अब उससे पूछताछ कर इस बात का पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि चेन्नई में उसे किसने कोकीन दी थी और वह दिल्ली में इसे किसे देने जा रही थी। महिला से मिली जानकारी पर ड्रग नेटवर्क का खुलासा हो सकता है। बता दें, प्रदेश में डीआरआई की टीम लगातार दबिश दे रही है। बैंगलुरू और दिल्ली से महिलाओं के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी सामने आ रही है। शुक्रवार को भी डीआरआई ने एक महिला तस्कर को पकड़ा था।

दिवाली पर सौहार्द और भाईचारे का संदेश



भोपाल। द अल्टीमेट फूडीज समूह ने सदर मंजिल के सहयोग से दिवाली का विशेष आयोजन किया। इसमें विभिन्न समुदायों के लोगों ने एक साथ त्योहार मनाकर गंगा-जमुनी तहज़ीब और भारतीय संस्कृति की साझा विरासत की मिसाल पेश की। रोशनी, आकर्षक रंगोली और पारंपरिक सजावट के बीच आयोजन प्रेम, एकता और सामाजिक सद्भाव का संदेश बना। समूह के संस्थापक और ब्रिटेन निवासी आबिद फारुकी ने बताया कि द अल्टीमेट फूडीज हर वर्ष दिवाली को नई और खास थीम के साथ मनाता है। इसका उद्देश्य समाज में आपसी विश्वास, प्रेम और भाईचारे को मजबूत करना है। समारोह में दीपों की जगमगाहट, रंगोली, मनोरंजक गतिविधियां और लजीज व्यंजन आकर्षण का केंद्र रहे। सभी सदस्यों ने मिलकर खुशियां बांटी।

भोपाल मास्टर प्लान

रहवासी क्षेत्र में कारोबार पर 35% आपत्तियां, 16 से शुरू होगी सुनवाई

भोपाल। भोपाल मास्टर प्लान-2047 के ड्राफ्ट पर आई 13,400 से आपत्तियों पर 16 नवंबर से सुनवाई शुरू होगी। इसे लेकर टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (टीएंडसीपी) ने खाका तैयार कर लिया है। आज होने वाली बैठकों में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। सबसे ज्यादा 6000 दावे-आपत्तियां बड़े तालाब सहित अन्य जल स्रोतों के कैचमेंट को लेकर हैं। इनमें नीलबड़, रातीबड़ और भौंरी सहित तालाब किनारे के ग्रामीण क्षेत्र शामिल हैं। वहीं, 4 हजार आपत्तियां आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के प्रस्ताव से जुड़ी हैं। 5 हजार ईमेल के जरिए मिली हैं। इस मुद्दे पर रहवासियों ने पहले ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी है। जिस पर सुनवाई भी की जा रही है।

मेट्रो एंकर

संभाग से लेकर जिलों तक स्कूलों तक की जा रही खोजबीन

8 साल का रिकॉर्ड गुम, 'ट्राइबल' के 242 लेखापालों की सीआर गायब

भोपाल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग में 242 लेखापालों के आठ साल के गोपनीय प्रतिवेदन (सीआर) का रिकॉर्ड नहीं मिल रहा है। वर्ष 2019 से 2026 तक की सीआर विभाग के पास उपलब्ध नहीं होने से इन कर्मचारियों की गोपनीय सेवा रिपोर्ट अधर में है। किसी कर्मचारी की एक साल तो किसी की लगातार आठ साल की सीआर अप्राप्त है। विभाग की सूची में प्रदेशभर में पदस्थ 242 लेखापालों के नाम दर्ज हैं। मामले में जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त कार्यालय ने 30 अक्टूबर को प्रदेश के सभी संभागीय आयुक्तों, सहायक आयुक्तों, जिला संयोजकों और विभागीय स्कूलों के प्राचार्यों को स्मरण-पत्र जारी किया है।



2019 से अब तक के रिकॉर्ड नहीं मिल रहे

सूची में बड़ी संख्या में ऐसे लेखापाल हैं, जिनकी 2019 से 2026 तक की सीआर अप्राप्त बताई गई है। कुछ की वर्ष 2021 से 2026, 2023 से 2026 और 2024 से 2026 तक की रिपोर्ट नहीं मिली है। कुछ नामों के सामने सिर्फ एक साल का रिकॉर्ड अप्राप्त दर्ज है। यानी विभाग में सीआर जमा कराने और रिकॉर्ड संधारित करने की प्रक्रिया में लंबे समय से लापरवाही की गई।

समयमान-वेतनमान से होना पड़ेगा वंचित

लेखापालों की लंबित सीआर एक सप्ताह में उपलब्ध कराने को कहा गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सीआर समय पर नहीं मिलने के कारण कर्मचारियों को समयमान वेतनमान और पदोन्नति के लाभ से वंचित होना पड़ सकता है। ऐसे में अधिकारी-कर्मचारी स्वयं उत्तरदायी होंगे। आदिवासी विभाग ने संबंधित अधिकारियों को केवल सीआर उपलब्ध कराने के निर्देश ही नहीं दिए, बल्कि विभागीय पोर्टल पर इन्हें अपलोड कराने और ई-मेल तथा व्हाट्सऐप से संबंधितों को सूचना देने को भी कहा है। सूची 28 अक्टूबर 2026 की स्थिति के आधार पर तैयार की गई। इसमें जिलों में पदस्थ लेखापालों के नाम, उनके अप्राप्त सीआर वर्ष व वर्तमान पदस्थापना का ब्योरा दिया गया है।

यह लापरवाही की पराकाष्ठा...

लेखापाल राकेश तिवारी अभी रीवा आदर्श आवासीय विद्यालय के प्राचार्य हैं। उनका सीआर 2026 का गायब है। वहीं, विजय प्रजापति का सीआर 2019 से अब तक का नहीं मिल रहा। इसी तरह सिवनी के हायर सेकंडरी स्कूल खुरई के प्राचार्य प्रदीप सोनी का 2023 से तो सिवनी के ही सुकतरा उच्चचर माध्यमिक विद्यालय अरुण कुमार भार्गव का सीआर भी 2023 से लापता है। सहायक आयुक्त कार्यालय सिवनी में पदस्थ संजय कुमार कमलेश का रिकॉर्ड तो 2019 से भी नहीं मिल रहा। सहायक आयुक्त कार्यालय बालाघाट में पदस्थ संजय कुमार बंसोड के रिकॉर्ड 2024 नदारद हैं। सहायक आयुक्त कार्यालय छिंदवाड़ा में तैनात जीएस ठाकुर का इस साल और अनूपपुर जिले के कोतमा में पदस्थ बीईओ आरके तिवारी समेत 242के रिकॉर्ड नहीं मिल रहे हैं।

कटारा हिल्स का मामला: विरोध पर करता था गंदे कमेंट्स

राह चलती लड़कियों से बेड टच करने वाला मनचला गिरफ्तार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स पुलिस ने राह चलती लड़कियों से छेड़छाड़ करने वाले एक मनचले को गिरफ्तार किया है। आरोपी बाइक से लड़कियों के पास पहुंचता और पीछे से अश्लील हरकत कर फरार हो जाता था। विरोध करने पर गंदे कमेंट्स भी करता था। पुलिस ने 50 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर आरोपी की पहचान कर दबोच लिया। पुलिस के मुताबिक, रात 8 बजे एक युवती गौरीशंकर परिसर स्थित पुराने सीएम राइज स्कूल के गेट के पास घूम रही थी। इसी दौरान बाइक सवार युवक पीछे से आया और युवती के हिप पर गलत तरीके से हाथ मारकर भागने लगा। युवती ने शोर मचाकर विरोध किया तो आरोपी अश्लील कमेंट्स करते हुए बाइक से फरार हो गया। युवती की शिकायत पर कटारा हिल्स थाने में छेड़छाड़ का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

50 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तब धराया

आरोपी तक पहुंचने के लिए पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास की कॉलोनियों और आने-जाने वाले रास्तों पर लगे 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसके बाद शिनाख्त हुई। पुलिस ने दीनदयाल पार्क के पास मेन रोड से अभिषेक उइके (23), निवासी ग्राम बराई, कटारा हिल्स को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपराध कबूल लिया है।

आदिवासी वोट बैंक पर भाजपा की नजर, बिरसा मुंडा जयंती पर 14 से 16 नवंबर तक तीन दिन प्रदेशभर में होंगे बड़े आयोजन

गौरव दिवस के बहाने 56 सीटों पर सियासी जमीन मजबूत करने की तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर भाजपा ने अभी से सियासी बिसात बिछाना शुरू कर दिया है। पार्टी की नजर अब आदिवासी बहुल इलाकों पर है, जहां अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए संगठन ने विशेष रणनीति तैयार की है। बिरसा मुंडा जयंती और जनजातीय गौरव दिवस को भाजपा राजनीतिक और सामाजिक संपर्क का बड़ा अवसर बनाने जा रही है। इसके तहत 14 से 16 नवंबर तक प्रदेश के अलग-अलग जनजातीय अंचलों में तीन दिन तक बड़े आयोजन किए जाएंगे। इन आयोजनों के जरिए भाजपा न केवल आदिवासी समाज के बीच अपनी पहुंच बढ़ाएगी, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचाने का अभियान भी चलाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच इन कार्यक्रमों और संगठन की आगामी रणनीति को लेकर लगातार विचार-विमर्श होता रहा है। पार्टी का मकसद जनजातीय समाज के बीच अपनी राजनीतिक स्वीकार्यता बढ़ाने के साथ कांग्रेस के परंपरागत जनाधार में सेंध लगाना भी है।



तीन दिन, तीन बड़े आयोजन, आदिवासी अंचलों पर फोकस

भाजपा ने जनजातीय गौरव दिवस के कार्यक्रमों को तीन दिन में अलग-अलग क्षेत्रों में आयोजित करने का रोडमैप बनाया है। इसकी शुरुआत 14 नवंबर को जबलपुर से होगी। इसके बाद 15 नवंबर को डही से आलीराजपुर तक दूसरी पाइपलाइन का लोकार्पण किया जाएगा। वहीं 16 नवंबर को निमाड़ अंचल के खंडवा में बड़ा आयोजन होगा। इन कार्यक्रमों में भाजपा के सांसद, विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल होंगे। पार्टी इन आयोजनों के माध्यम से जनजातीय समाज के बीच विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का संदेश पहुंचाने की तैयारी में है। मध्यप्रदेश की राजनीति में आदिवासी मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। देश में सर्वाधिक जनजातीय आबादी वाले राज्यों में शामिल मध्यप्रदेश में विधानसभा की 47 सीटें अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इनमें से 24 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके अलावा जनजातीय प्रभाव वाली 29 सामान्य सीटों में से 20 सीटें भी भाजपा के खाते में आई थीं। इन आंकड़ों से पार्टी को आदिवासी अंचलों में अपनी बढ़ती राजनीतिक ताकत का संकेत मिला है, लेकिन संगठन अब इस समर्थन को और व्यापक तथा स्थायी बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है।

पचमढ़ी में बनी थी 56 सीटों की रणनीति | भाजपा की यह कवायद केवल तीन दिवसीय आयोजनों तक सीमित नहीं है। इससे पहले पचमढ़ी में आयोजित संगठनात्मक प्रशिक्षण शिविर में अनुसूचित जनजाति के प्रभाव वाली 56 विधानसभा सीटों पर पार्टी का विस्तार करने की रणनीति तैयार की गई थी। अब जनजातीय गौरव दिवस के आयोजनों को उसी रणनीति के अगले चरण के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी की योजना है कि बड़े आयोजनों के साथ स्थानीय कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों और संगठन के पदाधिकारियों को सक्रिय कर गांव और बूथ स्तर पर संपर्क बढ़ाया जाए।

कांग्रेस के परंपरागत वोट बैंक में सेंध लगाने की तैयारी

प्रदेश में आदिवासी समाज को लंबे समय तक कांग्रेस का मजबूत समर्थक माना जाता रहा है। हालांकि पिछले कुछ चुनावों में भाजपा ने इस वर्ग के बीच अपना प्रभाव बढ़ाया है। अब पार्टी इस राजनीतिक बदलाव को स्थायी आधार देने की कोशिश में है। इसके लिए जनजातीय गौरव, महापुरुषों के योगदान, विकास योजनाओं, पेयजल, सड़क, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दों को केंद्र में रखा जाएगा। भाजपा की रणनीति है कि जनजातीय समाज के बीच केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि पूरे वर्ष संगठन की सक्रिय मौजूदगी बनी रहे। ऐसे में नवंबर में होने वाले गौरव दिवस के आयोजन पार्टी के लिए सामाजिक भागीदारी के साथ आगामी चुनावों की जमीन मजबूत करने का भी माध्यम बनेंगे।



गोवर्धन पूजा पर मुख्यमंत्री का बड़ा ऐलान

दो साल में प्रदेश बनेगा देश की मिल्क कैपिटल दूध संकलन 52 लाख किलो प्रतिदिन का लक्ष्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को देश की दुग्ध राजधानी बनाने के लिए सरकार ने बड़ा लक्ष्य तय किया है। अगले दो वर्षों में प्रदेश की दुग्ध संकलन क्षमता 12 लाख किलोग्राम प्रतिदिन से बढ़ाकर 52 लाख किलोग्राम करने की तैयारी है। इसके लिए डेयरी सहकारिता को मजबूत करने के साथ उन्नत नस्ल के पशुओं के पालन, आधुनिक गौशालाओं और पशुपालकों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने पर जोर दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को रवीन्द्र भवन में आयोजित राज्यस्तरीय गौ-पूजन एवं पशुपालक सम्मान समारोह में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि गौसेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की मजबूत नींव है। सरकार समाज के आयोजनों में भी बढ़-चढ़कर भागीदारी करेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में गुजरात की तर्ज पर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए भोपाल में उन्नत नस्ल की गायों के भ्रूण उत्पादन केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी है। इस केंद्र में प्रतिवर्ष एक लाख भ्रूण तैयार किए जाएंगे। इससे प्रदेश में गिर और साहीवाल जैसी अधिक दूध देने वाली नस्लों के पशुपालन को प्रोत्साहन मिलेगा और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी।

गौशालाओं को 65.66 करोड़, 5.51 लाख गौवंश को सहारा

समारोह में मुख्यमंत्री ने सिंगल क्लिक से प्रदेश की तीन हजार से अधिक पंजीकृत गौशालाओं में रह रहे पांच लाख 51 हजार से अधिक गौवंश के भरण-पोषण के लिए 65.66 करोड़ रुपये की अनुदान राशि अंतरित की। उन्होंने बताया कि गौशालाओं में संरक्षित निराश्रित गौवंश को बेहतर पोषण उपलब्ध कराने के लिए प्रति गाय मिलने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये कर दी गई है। प्रदेश के निराश्रित गौवंश को नजदीकी गौशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था भी की जा रही है। गौसेवा को मजबूत बनाने के लिए गौ-एम्बुलेंस की संख्या बढ़ाने और आत्मनिर्भर गौशालाओं का विकास करने की योजना है।

466 पशुपालकों के खातों में पहुंचे 2.95 करोड़ रुपये

कार्यक्रम में गोपाल-कृष्ण ग्राम पुरस्कार योजना के तहत प्रदेश के 466 उत्कृष्ट पशुपालकों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपये की राशि सीधे बैंक खातों में अंतरित की। इस मद में कुल 2.95 करोड़ रुपये दिए गए। प्रदेश के उत्कृष्ट दुग्ध उत्पादकों और पशुपालकों को प्रशस्ति पत्र तथा 56 भोग की थाल भेंटकर सम्मानित किया गया।

नगरीय चुनाव से पहले सड़कों की मरम्मत कराएगी सरकार

नगर निगम-पालिकाओं से एक हफ्ते में मांगा एस्टीमेट, 15 दिन में मिल जाएगी तकनीकी मंजूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनावों से पहले सरकार शहरी क्षेत्रों की खराब सड़कों को दुरुस्त कराने की तैयारी में है। बारिश के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत के लिए नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने सभी नगर निगमों और नगर पालिका परिषदों को निर्देश जारी किए हैं। निकायों से सड़कों का सर्वे कर मरम्मत के प्रस्ताव तैयार करने को कहा गया है। विभाग ने इसके लिए काम की समय-सीमा भी तय कर दी है, ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के प्रमुख अभियंता की ओर से जारी निर्देशों के मुताबिक सबसे पहले नगरीय निकायों को खराब सड़कों का सर्वे और मापांकन कराना होगा। इसके आधार पर एक सप्ताह के भीतर मरम्मत कार्य का एस्टीमेट तैयार करना अनिवार्य है। इसके बाद 15 दिनों में नियमानुसार तकनीकी स्वीकृति लेने की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। तकनीकी मंजूरी मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी की जाएगी। टेंडर की स्वीकृत दर मिलने के 10 दिन के भीतर संबंधित ठेकेदार को कार्यादेश जारी करना होगा।

डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड वाली सड़कें ठेकेदार सुधारेगा

विभाग ने सड़कों की मरम्मत की जिम्मेदारी भी स्पष्ट कर दी है। जिन सड़कों का निर्माण डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड (निर्माण के बाद ठेकेदार की निर्धारित जिम्मेदारी अवधि) में है, उनकी मरम्मत संबंधित ठेकेदार से ही कराई जाएगी। वहीं, जिन सड़कों की यह अवधि समाप्त हो चुकी है, उनकी मरम्मत के लिए सड़क मरम्मत एवं अनुरक्षण मद की राशि का उपयोग किया जा सकेगा। प्रमुख अभियंता ने ये निर्देश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के आधार पर जारी किए हैं।



गणेशोत्सव, नवरात्रि और दिवाली तक नहीं सुधरीं सड़कें

प्रदेश के कई शहरी क्षेत्रों में बारिश के बाद सड़कें खराब हो गई हैं। बारिश थमने के बाद भी मरम्मत नहीं होने से लोगों को गड्ढों और उखड़ी सड़कों से परेशानी उठानी पड़ रही है। भोपाल में पॉश और वीआईपी इलाकों को छोड़ दें तो कई अन्य क्षेत्रों में सड़कों की हालत खराब है। गणेशोत्सव, दुर्गोत्सव और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार भी निकल गए, लेकिन कई सड़कों की मरम्मत नहीं हो सकी। दूरस्थ नगरीय निकायों में भी ऐसी ही स्थिति बताई जा रही है। अब विभाग ने सभी निकायों को सर्वे से लेकर कार्यादेश जारी करने तक की समय-सीमा तय कर दी है। अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनावों से पहले सड़कों को दुरुस्त करना सरकार और स्थानीय निकायों के लिए बड़ी चुनौती होगी।

कूनो के डायरेक्टर ने सरकार पर साधा निशाना

बार-बार तबादलों से घटती है कार्यक्षमता, अधिकारियों को नहीं मिलता तय कार्यकाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

आईएएस-आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों की फील्ड पोस्टिंग में घटते कार्यकाल को लेकर कूनो नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर और आईएफएस अधिकारी उत्तम कुमार शर्मा ने सरकार की तबादला व्यवस्था पर तंज कसा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पेज का स्टेटमेंट पोस्ट कर लिखा कि बार-बार तबादलों से अधिकारियों की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। प्रशासनिक सुधारों के लिए अधिकारियों को लंबा कार्यकाल मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि मौजूदा नौकरशाही व्यवस्था में अधिकारी हमेशा अपने कार्यकाल की अवधि खुद तय नहीं कर सकता। तबादले और पदस्थापन अक्सर उसके नियंत्रण से बाहर होते हैं। शर्मा ने लिखा कि एक वर्ष से कम का कार्यकाल अक्सर इस बात का संकेत होता है कि व्यवस्था का संचालन मुख्य रूप से अधीनस्थ अधिकारियों के हाथों में ही बना रहता है। एक से दो वर्ष के बीच अधिकारी धीरे-धीरे व्यवस्था को समझ पाता है और कामकाज उसकी प्राथमिकताओं के अनुरूप होने लगता है। वहीं, दो वर्ष से अधिक का कार्यकाल मिलने पर नए प्रयोग आकार लेते हैं और संस्थागत सुधार संभव हो पाते हैं। शर्मा ने लिखा कि लंबा कार्यकाल सुशासन की गारंटी नहीं देता। अधिकारी की नीयत, ईमानदारी, योग्यता और दृढ़ता ही तय करती है कि वह क्या हासिल कर पाएगा। हालांकि, निरंतरता मिलने पर अधिकारी व्यवस्था को गहराई से समझ सकता है, सहकर्मियों का विश्वास हासिल कर सकता है और सुधारों को उनके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचा सकता है।



कुछ अफसरों ने बड़े ऐलान कर छवि बनाने की कला सीख ली

उत्तम शर्मा ने कुछ अधिकारियों की कार्यशैली पर भी तंज कसा। उन्होंने लिखा कि कुछ अधिकारियों ने इस कला में महारत हासिल कर ली है। वे जानते हैं कि उनका कार्यकाल छोटा हो सकता है, इसलिए शुरुआत बड़े ऐलानों, महत्वाकांक्षी वादों और क्रांतिकारी भाषणों से करते हैं। उन्हें यह भी पता होता है कि शायद वे इतने लंबे समय तक पद पर नहीं रहेंगे कि घोषणाओं के क्रियान्वयन का जवाब देना पड़े। ऐसे में एक दूरदर्शी और परिवर्तनकारी अधिकारी की छवि बन जाती है। अधूरे कामों का दोष अपनी योजनाओं को परिणामों में नहीं बदल पाने के बजाय समय से पहले हुए तबादले पर डाल दिया जाता है।

छोटे कार्यकाल में आदर्शवाद की जगह लेती है व्यावहारिकता

उन्होंने लिखा कि सिविल सेवा में आने वाला युवा अधिकारी शुरुआत में आदर्शवाद से प्रेरित होता है। उसके भीतर व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव लाने और गलत चीजों को सुधारने की इच्छा होती है। लेकिन नौकरशाही का ढांचा बड़ा और जटिल है। कम कार्यकाल में व्यवस्था को गहराई से समझने, कमजोरियां पहचानने, सक्षम टीम बनाने और विरोध का सामना करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। शर्मा के मुताबिक, लगातार छोटे कार्यकाल मिलने से धीरे-धीरे आदर्शवाद की जगह व्यावहारिकता लेने लगती है। अधिकारी का ध्यान व्यवस्था को बदलने के बजाय उसे किसी तरह सुचारु रूप से चलाए रखने पर केंद्रित हो जाता है।

16 नगर निगमों पर 72.51 करोड़ का बिजली बिल बकाया

इंदौर पर सबसे ज्यादा 23.71 करोड़, भोपाल दूसरे नंबर पर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए दिवाली से पहले नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 108.74 करोड़ रुपए के बिजली बिलों का भुगतान किया है। साथ ही 16 नगर निगमों पर 72 करोड़ 51 लाख 22 हजार का बिजली बिल बकाया है। यह राशि प्रदेश की तीनों विद्युत वितरण कंपनियों को दी गई है। इसमें सबसे अधिक 40 करोड़ 96 लाख रुपए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को दिए गए हैं। वहीं, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को 27.92 करोड़ और पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को 39.84 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने यह राशि नगरीय निकायों के बकाया बिजली बिलों के भुगतान के लिए जारी की है। इसमें ननि, नगरपालिका और नगर परिषद क्षेत्र शामिल हैं। इन क्षेत्रों में स्ट्रीट लाइट के जरिए शहरी इलाकों को रोशन रखने के साथ ही पेयजल सप्लाई की व्यवस्था भी की जाती है। बिजली बिल के बकाया में इन निकायों की स्ट्रीट लाइट और पेयजल सप्लाई से संबंधित राशि शामिल है।



स्वच्छ सर्वेक्षण: मप्र के इंदौर समेत नौ शहरों को मिलेगा सम्मान, राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण के राष्ट्रीय सम्मान समारोह में मध्यप्रदेश के नौ शहरों को आमंत्रित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 11 नवंबर को नई दिल्ली में भव्य कार्यक्रम में विजेता शहरों को सम्मानित करेंगी। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए देश भर के 4909 शहरों के प्रदर्शन का सूक्ष्म आकलन किया गया, जिनमें से उत्कृष्ट कार्य करने वाले 57 शहरों का अंतिम चयन किया गया है। मध्यप्रदेश के जिन नौ शहरों को इस राष्ट्रीय समारोह का न्योता मिला है, उनमें इंदौर, देपालपुर, देवास, उज्जैन, बुदनी, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा और सागर शामिल हैं।

स्वच्छ सुपर लीग के अंतर्गत मध्यप्रदेश की सात जोड़ियों ने अपनी दावेदारी प्रस्तुत की थी, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर केवल इंदौर और देपालपुर की जोड़ी ही सम्मान के लिए चुनी गई है। केवल दो वर्ष पहले प्रदेश के 380 शहरों में स्वच्छता के मामले में 378वें स्थान पर पिछड़ने वाला देपालपुर अब राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित होने जा रहा है। इससे पूर्व पिछले सर्वेक्षण में देश के 2030 शहरों के बीच देपालपुर को 1710वीं रैंक प्राप्त हुई थी। देपालपुर की इस अभूतपूर्व प्रगति में इंदौर नगर निगम के मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कचरा प्रबंधन और जन-जागरूकता

देपालपुर में 50 टन पुराने लीगेसी वेस्ट को पूर्ण रूप से हटाने के लिए इंदौर नगर निगम के दो हजार सफाईकर्मियों तथा रैग पिकर्स ने सघन स्वच्छता अभियान चलाया। नागरिकों को घरों में ही गीला और सूखा कचरा अलग-अलग रखने के लिए 14 हजार डस्टबिन वितरित किए गए। 60 दिन तक चले विशेष जागरूकता अभियान से 75 प्रतिशत लोगों ने प्लास्टिक थैलियों का इस्तेमाल बंद कर दिया और डिस्पोजेबल वस्तुओं का प्रयोग भी नियंत्रित हुआ। दूसरी ओर, भोपाल अपनी जोड़ीदार नगर परिषद बैरसिया के साथ इस स्पर्धा की अंतिम चयन सूची में स्थान बनाने से चूक गया।

मेट्रो एंकर | ग्वालियर में बनेगा अटल स्मारक, 15.14 करोड़ का टेंडर जारी

ह्यूमनाइड रोबोट सुनाएंगे संसद और कारगिल की कहानी

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और राजनीतिक सफर को अब लोग आधुनिक तकनीक के जरिए तस्वीरों और दस्तावेजों के साथ देख सकेंगे। ग्वालियर में बनने वाले अटल स्मारक में उनका संसदीय अवतार नजर आएगा और रोबोट कारगिल युद्ध की गाथा सुनाएंगे। यहां संसद का एक मिनी थिएटर बनाया जाएगा, जिसमें अटलजी का ह्यूमनाइड रोबोट संसदीय सत्र का अनुभव कराएगा। कारगिल युद्ध की कहानी को चार ह्यूमनाइड रोबोट, थ्री-डी विजुअल और प्रोजेक्शन मैपिंग के जरिए दिखाया जाएगा। पोखरण परमाणु परीक्षण से जुड़ी गैलरी में काउंटडाउन से लेकर परीक्षण के प्रभावों तक का अनुभव कराने की योजना है। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने अटल स्मारक को म्यूजियम आफ लीडरशिप एंड नेशन बिल्डिंग के रूप में विकसित करने के लिए 15.14 करोड़ रुपये का अनुमानित टेंडर जारी किया है।

सेंसर वाले फर्श पर महसूस होगा पोखरण का कंपन- पोखरण परमाणु परीक्षण की गैलरी सबसे खास होगी। यहां प्रेशर और मोशन सेंसर वाला विशेष फर्श बनाया जाएगा। इस फर्श पर पर्यटकों के चलते ही स्क्रीन पर काउंटडाउन शुरू हो जाएगा और भूमिगत परीक्षण स्थल के दृश्य दिखाई देने लगेंगे। कंपन और हवा के झोंकों के प्रभाव से परमाणु परीक्षण का रियल अनुभव कराया जाएगा। इसके साथ तीन तरफ डायोरामा, एलईडी स्क्रीन और ऑडियो व्यवस्था भी होगी। इस गैलरी में पर्यटकों को लगेगा कि वे खुद पोखरण में मौजूद हैं और परीक्षण देख रहे हैं। इस तकनीक से युवाओं को देश की परमाणु शक्ति की कहानी रोचक तरीके से समझाई जाएगी।



थ्री-डी पहाड़ियों में जीवंत होगा कारगिल युद्ध- कारगिल गैलरी में पहाड़ी क्षेत्र का थ्री-डी मॉडल तैयार किया जाएगा। प्रोजेक्शन के जरिए युद्ध के दृश्य दीवारों और मॉडल पर दिखाए जाएंगे। चार ह्यूमनाइड रोबोट और सराउंड साउंड सिस्टम से सैनिकों के साहस और युद्ध की घटनाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। बलिदान देने वाले सैनिकों के नाम और उनकी कहानियां भी डिजिटल स्क्रीन पर प्रदर्शित होंगी। इंटरएक्टिव कियोस्क पर युद्ध और सैन्य अभियानों की पूरी समयरेखा उपलब्ध रहेगी। इस गैलरी का मकसद कारगिल युद्ध के हर पहलू को नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। रोबोट के जरिए कहानी सुनने से यह अनुभव और भी जीवंत हो जाएगा।

ग्वालियर से प्रधानमंत्री बनने तक का सफर

संग्रहालय में अटलजी के शुरुआती जीवन और ग्वालियर से उनके जुड़ाव को भी खास जगह दी जाएगी। इसे इंटरएक्टिव वॉल, होलोग्राफिक प्रोजेक्शन और टाइमलाइन के जरिए दिखाया जाएगा। उन्हें मिले उपहारों, स्मृति चिह्नों और भारत रत्न से जुड़ी सामग्री के लिए अलग गैलरी होगी। डिजिटल और पारंपरिक लाइब्रेरी में उनके विचार, भाषणों के अंश और जीवन की प्रमुख घटनाएं दिखाई जाएंगी। भारत छोड़ो आंदोलन और आपातकाल से जुड़े प्रसंगों को भी इसमें स्थान मिलेगा। इसके लिए जेल की कोठरी जैसे दृश्य तैयार किए जाएंगे। प्रोजेक्शन मैपिंग से उनकी हस्तलिखित डायरी के अंश दीवारों पर दिखाए जाएंगे। ध्वनि प्रभाव और अटलजी की कविताओं के वॉयसओवर से इन प्रसंगों को जीवंत बनाने की योजना है। मिनी संसद थिएटर में बैठकर दर्शक अटलजी के संसदीय भाषणों का अनुभव कर सकेंगे।

प्रदूषण पर लगाम

देश की राजधानी दिल्ली इन दिनों प्रदूषण की गंभीर समस्या से जूझ रही है. वहां के 37 में से 29 प्रदूषण केंद्रों पर एक्यूआई 400 के पार दर्ज किया गया है. जीरो से 50 तक के एक्यूआई अर्थात वायु गुणवत्ता सूचकांक को ही स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित माना जाता है और 201 के बाद हर व्यक्ति को सांस लेने में तकलीफ शुरु हो सकती है. ऐसे में अगर एक्यूआई 400 के पार चला जाए तो हालात कितने बदतर होंगे, इसका अनुमान लगाया जा सकता है. एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के 10 में से 9 (करीब 89 प्रतिशत) परिवारों में कम से कम एक सदस्य प्रदूषण के कारण किसी न किसी स्वास्थ्य समस्या से पीड़ित है. साल 2023 में सांस की गंभीर बीमारियों के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या 9,727 थी, जो 2024 में 11 प्रतिशत बढ़कर 10,819 हो गई. ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज (जीबीडी) और अन्य पर्यावरण रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में होने वाली कुल मौतों में से लगभग 15 प्रतिशत (करीब 17,200 मौतें सालाना) जहरीली हवा और पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) के प्रदूषण से जुड़ी हुई हैं. संपन्न लोग तो एयर प्यूरिफायर खरीद कर कुछ हद तक इस विपदा से अपना बचाव कर सकते हैं लेकिन उन आम लोगों का क्या जो इतना आर्थिक भार वहन नहीं कर सकते? इसके अलावा एयर प्यूरिफायर भी घर के भीतर काम कर सकता है लेकिन लोग हमेशा के लिए घर के भीतर तो बंद रह नहीं सकते ! ऐसा भी नहीं कि यह कोई एक-दो साल की समस्या हो. हर साल ही सर्दियों के मौसम में तीन-चार महीनों तक यह समस्या गंभीर बनी रहती है. कुछ लोग दीपावली पर फोड़े जाने वाले पटाखों पर इसका दोष मढ़ते हैं और इसमें कोई दो राय नहीं कि पटाखों का इसमें योगदान होता भी है. लेकिन पटाखे एक-दो दिन ही फोड़े जाते हैं जबकि गहन प्रदूषण की समस्या तीन-चार महीनों तक बनी रहती है. पहले पंजाब, हरियाणा में पराली जलाए जाने को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाता था, लेकिन अब इसमें भी कमी आई है. अरावली की पहाड़ियों में होने वाले खनन को भी दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण बढ़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है. सरकार की जिम्मेदारी है कि वह प्रदूषण के वास्तविक कारणों की पहचान कर उन पर सख्ती से लगाम लगाए. ऐसा नहीं है कि दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार कुछ कर ही नहीं रही है. सरकार ने 'एयर पॉल्यूशन मिटिगेशन ऐक्शन प्लान-2026' और विंटर एक्शन प्लान के तहत कई सख्त कदम उठाए हैं. लेकिन हकीकत यह है कि प्रदूषण को रोकने में कामयाबी नहीं मिल पा रही है. अंधाधुंध विकास को भी इस प्रदूषण के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है लेकिन चीन जैसे देशों में हमारे देश से भी ज्यादा तेज विकास हो रहा है, फिर प्रदूषण के मामले में हमारे ही देश के शहर आगे क्यों रहते हैं? निश्चित रूप से सरकारों को इस बारे में सोचना होगा और प्रदूषण पर अंकुश लगाने के पुख्ता उपाय करने होंगे क्योंकि स्वच्छ हवा में सांस लेना नागरिकों का बुनियादी अधिकार है।

अन्न और प्रकृति के लोकमंगल की भारतीय परंपरा के साथ बेहतर समाज का संकल्प

कुमार कृष्णन
स्तंभकार



भारतीय पर्व-त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-पद्धतियों तक सीमित नहीं हैं। उनके भीतर समाज की जीवन-दृष्टि, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, कृषि संस्कृति, लोकविश्वास और सामुदायिक जीवन के अनेक सूत्र छिपे हुए हैं। दीपावली के बाद मनाया जाने वाला गोवर्धन पूजा, अन्नकूट, बलि प्रतिपदा और गुजराती नववर्ष इसी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इन पर्वों का बाहरी स्वरूप भले ही अलग-अलग हो, लेकिन इनके केंद्र में अन्न, समृद्धि, प्रकृति, दानशीलता, पारिवारिक आत्मीयता और नए आरंभ की भावना मौजूद है।

कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को मनाया जाने वाला गोवर्धन पूजा पर्व भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत की कथा से जुड़ा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, द्वापर युग में ब्रजवासी वर्षा के देवता इंद्र की पूजा किया करते थे। बालक कृष्ण ने उनसे प्रश्न किया कि जिस पर्वत, वन, गौवंश और प्रकृति के संसाधनों से उनके जीवन का वास्तविक आधार तैयार होता है, उनकी उपेक्षा करके केवल इंद्र की पूजा क्यों की जाए? कृष्ण ने ब्रजवासियों को गोवर्धन पर्वत की पूजा करने और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का संदेश दिया।



कथा के अनुसार, इंद्र इस परिवर्तन से क्रोधित हो गए और उन्होंने ब्रज में मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। वर्षा से जनजीवन संकट में पड़ गया। तब श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और उनके पशुधन को उसके नीचे आश्रय दिया। सात दिनों तक सभी लोग पर्वत के नीचे सुरक्षित रहे। अंततः इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ और उन्होंने अपना अहंकार त्याग दिया। इस प्रसंग को गोवर्धन लीला के रूप में याद किया जाता है। इस कथा का धार्मिक महत्व अपनी जगह है, लेकिन इसका सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश भी व्यापक है। यह मनुष्य को याद दिलाती है कि उसका जीवन प्रकृति से अलग नहीं हो सकता। पर्वत, जंगल, जल, जमीन, वनस्पति और पशुधन मानव सभ्यता के आधार हैं। प्रकृति के संसाधनों के प्रति सम्मान और उनके संरक्षण के बिना जीवन की निरंतरता संभव नहीं है। गोवर्धन पूजा को इस अर्थ में प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व भी माना जा सकता है। आज जब विकास के नाम पर पहाड़ों का अंधाधुंध दोहन, जंगलों की कटाई, नदियों का प्रदूषण और जलस्रोतों का विनाश चिंता का विषय बन रहा है, तब गोवर्धन की कथा का संदेश और प्रासंगिक हो जाता है। प्रकृति पर मनुष्य का अधिकार असीमित नहीं हो सकता। विकास की ऐसी अवधारणा, जिसमें पर्यावरण और स्थानीय समुदायों के हितों की अनदेखी हो, अंततः जीवन के आधार को ही कमजोर करती है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का भाव विकसित करने की प्रेरणा देती है।

ब्रज क्षेत्र में इस दिन गोवर्धन पर्वत की विशेष पूजा होती है। मथुरा, वृंदावन, गोकुल और गोवर्धन में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या जुटती है। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा इस पर्व का विशेष आकर्षण है। श्रद्धालु परिक्रमा मार्ग पर चलते हुए भगवान कृष्ण का स्मरण करते हैं। अनेक स्थानों पर घरों और मंदिरों में गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक आकृति बनाई जाती है। उसे फूलों, दीपों और रंगों से सजाया जाता है। दूध, दही, घी और अन्य सामग्री से पूजा की जाती है। यह परंपरा प्रकृति, पशुधन और ग्रामीण जीवन के पारस्परिक संबंधों को भी अभिव्यक्त करती है। गोवर्धन पूजा के साथ ही अन्नकूट का आयोजन होता है। अन्नकूट का शाब्दिक अर्थ अन्न का पहाड़ या विभिन्न खाद्य पदार्थों का विशाल समूह है। इस अवसर पर मंदिरों और घरों में अनेक प्रकार के व्यंजन तैयार किए जाते हैं। दाल, चावल, सब्जियां, पूड़ी, कढ़ी, मिठाइयां और दूध से बने पकवान भगवान को अर्पित किए जाते हैं। कई मंदिरों में छप्पन भोग की परंपरा भी देखने को मिलती है। भगवान को भोग लगाने के बाद इसे प्रसाद के रूप में श्रद्धालुओं के बीच वितरित किया जाता है। अन्नकूट की परंपरा में केवल धार्मिक श्रद्धा नहीं, बल्कि अन्न के प्रति सम्मान का भाव भी समाहित है। भारतीय समाज में अन्न को जीवन का आधार और ईश्वर का प्रसाद माना गया है। किसान खेतों में कठिन परिश्रम करके अन्न पैदा करता है। प्रकृति की अनुकूलता, जल, मिट्टी, बीज और श्रम के सम्मिलित योगदान से भोजन हमारी थाली तक पहुंचता है। अन्नकूट इस पूरी प्रक्रिया के प्रति सामूहिक कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

इस पर्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष भोजन की साझेदारी है। मंदिरों में तैयार प्रसाद अनेक लोगों के बीच वितरित होता है। सामूहिक भोजन सामाजिक भेदभाव को कम करने और लोगों के बीच आत्मीयता बढ़ाने का माध्यम बन सकता है। भारतीय लोकजीवन में पर्वों के अवसर पर भोजन बांटने, अतिथियों को आमंत्रित करने और जरूरतमंदों की सहायता करने की परंपरा रही है। अन्नकूट का वास्तविक सामाजिक अर्थ तभी सार्थक होगा, जब अन्न की यह प्रचुरता समाज के उन लोगों तक भी पहुंचे, जिन्हें दो वक्त का भोजन जुटाने में कठिनाई होती है। आज देश में एक ओर खाद्यान्न उत्पादन और भंडारण की क्षमता बढ़ी है, वहीं दूसरी ओर कुपोषण, खाद्य असुरक्षा और किसानों की आर्थिक कठिनाइयां बनी हुई हैं। ऐसे समय में अन्नकूट हमें यह सोचने का अवसर देता है कि भोजन केवल उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का अधिकार है। भोजन की बर्बादी रोकना, किसानों के श्रम का सम्मान करना और जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना भी इस पर्व की भावना का हिस्सा होना चाहिए। गोवर्धन पूजा का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष गौवंश की पूजा है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गाय और बैल का विशेष महत्व रहा है। कृषि कार्य, दूध, गोबर, जैविक खाद और ग्रामीण आजीविका में पशुधन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस दिन गायों और बैलों को स्नान कराया जाता है, उनके सींगों को रंगा जाता है, गले में माला पहनाई जाती है और उन्हें विशेष भोजन दिया जाता है। कई क्षेत्रों में इसे गोपूजा और पशुधन के प्रति कृतज्ञता के रूप में मनाया जाता है।

भारतीय पर्वों की असली शक्ति उनकी लोकमंगलकारी चेतना में है। यदि पूजा के साथ प्रकृति संरक्षण, भोग के साथ भूखे को भोजन, दान के साथ सामाजिक न्याय और नववर्ष के साथ बेहतर समाज बनाने का संकल्प जुड़ जाए, तो इन उत्सवों का अर्थ और व्यापक हो सकता है। गोवर्धन से लेकर बेस्तु वर्ष तक की सांस्कृतिक यात्रा हमें यही संदेश देती है कि जीवन की सच्ची समृद्धि प्रकृति, श्रम, करुणा, साझेदारी और मानवीय संबंधों के सम्मान में निहित है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

राम मंदिर की दहलीज पर अखिलेश की दस्तक से छिड़ी नई राजनीतिक बहस

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार



उत्तर प्रदेश की राजनीति में अयोध्या और श्रीराम मंदिर का मुद्दा एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अपनी पत्नी एवं सांसद डिंपल यादव के साथ 12 दिसंबर को अयोध्या पहुंचकर हनुमानगढ़ी और श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन करने की घोषणा की है। राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह उनका पहला दर्शन होगा। इस घोषणा के साथ ही प्रदेश की राजनीति में एक नई बहस शुरू हो गई है कि आखिर अखिलेश यादव को अब अयोध्या की याद क्यों आई? अयोध्या केवल एक धार्मिक नगरी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था और सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। वर्षों के संघर्ष और लंबे न्यायिक विवाद के बाद यहां भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। जनवरी 2024 में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की पहचान विश्व स्तर पर स्थापित हुई। देश-विदेश से श्रद्धालु रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मंदिर निर्माण ने भारतीय संस्कृति, आस्था और धार्मिक पर्यटन को नई पहचान दी है।



लेकिन इस ऐतिहासिक घटनाक्रम के बीच समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंदिर से दूरी लगातार राजनीतिक चर्चा का विषय बनी रही। भारतीय जनता पार्टी के नेता इस मुद्दे पर अखिलेश यादव और उनकी पार्टी को घेरते रहे हैं। भाजपा का आरोप रहा है कि समाजवादी पार्टी ने अपने राजनीतिक समीकरणों के कारण राम मंदिर आंदोलन और हिंदुत्व के मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाने से परहेज किया। दूसरी ओर अखिलेश यादव भाजपा पर धर्म के राजनीतिक इस्तेमाल का आरोप लगाते रहे हैं। उनका कहना रहा है कि धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है और राजनीति में इसका इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

इस पूरे विवाद की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि वर्ष 1990 की अयोध्या की घटना से जुड़ी है। उस समय उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव मुख्यमंत्री थे। राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान अयोध्या पहुंचे कारसेवकों पर पुलिस ने गोली चलाई थी। इस घटना ने देश की राजनीति पर गहरा प्रभाव डाला। भाजपा और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े संगठन आज भी इस घटना को समाजवादी पार्टी के राजनीतिक इतिहास से जोड़कर उठाते हैं। मुलायम सिंह यादव के उस समय के फैसले को लेकर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद और आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के अवसर पर अखिलेश यादव की प्रस्तावित अयोध्या यात्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि रामभक्तों और संतों पर लाठीचार्ज तथा कारसेवकों पर गोली चलाने वालों को अयोध्या आने से पहले रामभक्तों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम दयालु हैं और सभी को क्षमा कर देते हैं, लेकिन सत्ता का अहंकार समाप्त करने में भी देर नहीं लगाते। मुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन उनके बयान को समाजवादी पार्टी की ओर संकेत माना गया।

दूसरी ओर समाजवादी पार्टी इस यात्रा को धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत श्रद्धा से जोड़कर देख रही है। पार्टी की ओर से बताया गया है कि अखिलेश यादव परिवार के साथ पहले हनुमानगढ़ी में दर्शन करेंगे और फिर रामलला के दरबार में पहुंचेंगे। अयोध्या के संतों से मुलाकात और उनका आशीर्वाद लेने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। अखिलेश यादव पहले भी कह चुके हैं कि वे इटावा में समाजवादी पार्टी की ओर से बनवाए जा रहे केदारेश्वर धाम के निर्माण के बाद राम मंदिर जाएंगे। अब उनकी यात्रा की तारीख घोषित होने के बाद राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में अखिलेश यादव की अयोध्या यात्रा को चुनावी परिस्थितियों से अलग करके देखना आसान नहीं है। प्रदेश में भाजपा और समाजवादी पार्टी के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लगातार जारी है। भाजपा राम मंदिर निर्माण और अयोध्या के विकास को अपनी उपलब्धियों में प्रमुखता से रखती है, जबकि समाजवादी पार्टी सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के मुद्दों को अपनी राजनीति का आधार बताती है। ऐसे में अखिलेश की प्रस्तावित यात्रा को राजनीतिक विश्लेषक पार्टी की व्यापक सामाजिक और धार्मिक पहुंच बनाने की कोशिश के रूप में भी देख रहे हैं।

अखिलेश यादव की अयोध्या यात्रा से एक बात स्पष्ट है कि राम मंदिर का विषय उत्तर प्रदेश की राजनीति में अभी भी महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अब देखना यह होगा कि रामलला के दर्शन के बाद अखिलेश यादव अपने राजनीतिक विचारों और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने विवादों पर क्या रुख रखते हैं। अयोध्या की जनता और देश के श्रद्धालुओं की निगाहें भी इस यात्रा पर रहेंगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रात में बिस्तर पर लेटते ही आते हैं अनचाहे विचार...नजरअंदाज न करें



दिनभर की भागदौड़ और कामकाज के बाद जब व्यक्ति रात में बिस्तर पर आराम करने जाता है, तो कई बार शरीर तो थका होता है, लेकिन दिमाग की रफ्तार तेज हो जाती है। कभी ऑफिस के अधूरे काम याद आने लगते हैं, तो कभी भविष्य की चिंता और पुरानी घटनाएं मन में घूमने लगती हैं। इसे बेडटाइम ओवरथिंकिंग कहा जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, रात में विचारों का बढ़ना हमेशा किसी मानसिक बीमारी का संकेत नहीं होता, बल्कि इसके पीछे तनाव, चिंता और जीवनशैली से जुड़ी कई वजहें हो सकती हैं।

दिन के समय हमारा ध्यान काम, परिवार, मोबाइल और दूसरी जिम्मेदारियों में बंटा रहता है। ऐसे में कई विचारों पर ध्यान देने का मौका नहीं मिलता। रात में जब आसपास शांति होती है और बाहरी गतिविधियां कम हो जाती हैं, तब दिमाग अधूरे कामों और पुरानी घटनाओं की तरफ लौटने लगता है। किसी से हुई बातचीत, अगले दिन की मीटिंग या किसी जरूरी काम की चिंता बार-बार मन में आ सकती है। दिमाग में अधूरे कामों की सूची बनी रहने से भी नींद प्रभावित हो सकती है। ईमेल का जवाब देना, बिल जमा करना या अगले दिन की तैयारी जैसे काम याद आते रहते हैं। जब व्यक्ति इनके लिए कोई स्पष्ट योजना नहीं बनाता, तो दिमाग संभावित समस्याओं के बारे में बार-बार सोचता है। नौकरी, आर्थिक स्थिति, परिवार और स्वास्थ्य से जुड़ी चिंताएं भी रात में मानसिक बेचैनी बढ़ा सकती हैं।

काम का दबाव, पारिवारिक विवाद और अनिश्चित परिस्थितियां शरीर को तनाव की स्थिति में रख सकती हैं। तनाव के दौरान शरीर की सतर्कता बढ़ जाती है। ऐसे में मांसपेशियों में खिंचाव, बेचैनी और बार-बार विचार आने जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। शरीर थका होने के बावजूद दिमाग शांत नहीं हो पाता।

इन उपायों से मिलेगी राहत: सोने से पहले मोबाइल और टीवी का इस्तेमाल कम करें। अगले दिन के जरूरी कामों की सूची पहले ही बना लें। रोज एक निश्चित समय पर सोने और जागने की आदत डालें। सोने से पहले हल्का ध्यान, गहरी सांस लेने का अभ्यास या किताब पढ़ने जैसी गतिविधियां अपनाएं।

शाम के समय चाय-कॉफी का सेवन सीमित रखें: यदि रात में लगातार विचार आने के कारण नींद नहीं आती, दिनभर थकान रहती है या कामकाज प्रभावित होने लगता है, तो डॉक्टर या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेनी चाहिए। लगातार बनी रहने वाली नींद की समस्या को केवल ओवरथिंकिंग समझकर नजरअंदाज करना ठीक नहीं है।

सुविचार

सुबह का उजाला आया है, नया हौसला संग लाया है, कल की फिक्र अब छोड़ दो, आज अपनी किस्मत मोड़ दो। -अज्ञात

निशाना

हौसला ले के चले साथ मुसाफ़िर ...



प्रदीप कश्यप

लोभ के फेर में ईमान कहां रहता है।
ऐसे इंसान का सम्मान कहां रहता है।
हौसला ले के चले साथ मुसाफ़िर चाहे।
रास्ता उसका भी आसान कहां रहता है।
ज़िंदगी कर के भला सबका गुज़ारो अपनी।
वक्त हमेशा ही ये बलवान कहाँ रहता है।
पाल कर दिल में बुराई को नहीं रखना है।
यूँ भलाई में भी नुक्सान कहाँ रहता है।
साथ कश्यप हो मुसाफ़िर के अगर रहबर तो।
रास्ता उसका फिर अनजान कहाँ रहता है।

टेक्नो अपडेट

WhatsApp का नया धमाका, बिना अकाउंट वाले भी देखेंगे शादी-पार्टी का न्योता

शादी, जन्मदिन, पारिवारिक समारोह या दोस्तों के साथ पार्टी की योजना बनाना अब पहले से ज्यादा आसान होने जा रहा है। लोकप्रिय मैसेजिंग ऐप WhatsApp ने अपने फीचर में नया अपडेट पेश किया है। इसकी मदद से अब उन लोगों को भी किसी समारोह का निमंत्रण भेजा जा सकेगा, जिनका WhatsApp पर अकाउंट नहीं है। खास बात यह है कि आमंत्रित व्यक्ति बिना ऐप डाउनलोड किए अपने मोबाइल या कंप्यूटर के ब्राउजर में लिंक खोलकर कार्यक्रम की जानकारी देख सकेगा और अपनी मौजूदगी की पुष्टि यानी RSVP भी कर सकेगा।



अब तक WhatsApp पर इवेंट का निमंत्रण भेजने के लिए सामने वाले व्यक्ति का एप पर होना जरूरी था। नए अपडेट के बाद यह बाध्यता खत्म हो जाएगी। इवेंट का आयोजन करने वाला व्यक्ति ऐप में कार्यक्रम तैयार करके उसका इनविटेशन लिंक बना सकेगा। इस लिंक को स्क्रू, ईमेल या दूसरे माध्यमों से भी साझा किया जा सकेगा। लिंक खोलने पर मेहमान को कार्यक्रम की तारीख, समय और अन्य जरूरी जानकारी दिखाई देगी। वह अपनी उपस्थिति की जानकारी भी दे सकेगा।

WhatsApp इस अपडेट के साथ Events Home नाम का अलग सेक्शन भी उपलब्ध करा रहा है। इसके जरिए यूजर अपने पुराने और आने वाले कार्यक्रमों को एक जगह देख सकेंगे। इसमें खुद बनाए गए इवेंट के साथ दूसरे लोगों से मिले निमंत्रण भी दिखाई देंगे। होस्ट यहां से कस्टम इनविटेशन तैयार कर सकेंगे, मेहमानों के जवाब देख सकेंगे और जरूरत पड़ने पर उन्हें रिमाइंडर भी भेज सकेंगे। इससे बार-बार चैट में जाकर निमंत्रण और जवाब तलाशने की परेशानी कम होगी।

नए फीचर में Plus-One का विकल्प भी जोड़ा जा रहा है। इसकी मदद से आमंत्रित व्यक्ति बता सकेगा कि वह अकेले आएगा या अपने साथ किसी अन्य व्यक्ति को भी लेकर आएगा। शादी और बड़ी पार्टियों के आयोजकों के लिए यह सुविधा खास उपयोगी हो सकती है। इससे मेहमानों की संख्या और भोजन जैसी व्यवस्थाओं का अनुमान लगाने में मदद मिलेगी।

आने वाले हफ्तों में मिलेगा अपडेट: WhatsApp ने इस नए अपडेट की घोषणा कर दी है। कंपनी के अनुसार, आने वाले कुछ हफ्तों में इसे यूजर्स तक पहुंचाया जाएगा। हालांकि, सभी सुविधाएं हर यूजर को एक साथ मिलें, यह जरूरी नहीं है। कुल मिलाकर यह बदलाव डिजिटल निमंत्रण और कार्यक्रम प्रबंधन को आसान बनाने की दिशा में अहम कदम है। अब शादी या पार्टी का न्योता भेजने के लिए मेहमान का WhatsApp पर होना भी जरूरी नहीं रहेगा।

वायरल कंटेंट

अनोखी जगह... एक घर में दो देश, एक दरवाजे से बेल्जियम दूसरे से नीदरलैंड पहुंचेंगे

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो अपनी अनोखी बनावट और खासियतों के कारण लोगों को हैरान कर देती हैं। कहीं सड़क दो देशों को जोड़ती है, तो कहीं एक कदम चलते ही देश बदल जाता है। लेकिन यूरोप में एक ऐसा घर भी है, जिसका आधा हिस्सा बेल्जियम में और आधा नीदरलैंड में स्थित है। यानी घर के एक हिस्से में खड़े होकर आप बेल्जियम में होंगे, जबकि दूसरे हिस्से में पहुंचते ही नीदरलैंड की जमीन पर कदम रख देंगे। सोशल मीडिया पर इस अनोखे घर का वीडियो इन दिनों लोगों का ध्यान खींच रहा है।



इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में एक शख्स इस घर और इसके आसपास गुजरने वाली अंतरराष्ट्रीय सीमा को दिखाता नजर आता है। वह पहले खुद को नीदरलैंड में खड़ा बताता है और फिर महज एक कदम आगे बढ़ाकर बेल्जियम पहुंच जाता है। जमीन पर बने निशान दोनों देशों की सीमा को स्पष्ट करते हैं। आमतौर पर एक देश से दूसरे देश में जाने के लिए सीमा चौकी, पासपोर्ट और कई औपचारिकताओं से गुजरना पड़ता है, लेकिन यहां कुछ कदम चलना ही काफी है।

इस घर की सबसे दिलचस्प बात इसके दो अलग-अलग पते हैं। वीडियो में शख्स घर के बाहर लगे नंबर दिखाता है। उसके मुताबिक, एक तरफ घर का नंबर 2 बेल्जियम का है, जबकि दूसरी तरफ नंबर 19 नीदरलैंड का है। यानी एक ही इमारत को दो देशों में अलग-अलग पते से पहचाना जाता है। घर पर लगी स्मारक पट्टी भी इसकी खास पहचान को दर्शाती है। इमारत के बीच से गुजरने वाली सीमा इसे दुनिया के अनोखे घरों में शामिल करती है। यहां रहने वालों के लिए यह महज एक घर नहीं, बल्कि दो देशों के बीच रोजमर्रा की जिंदगी जीने का अनोखा अनुभव भी है।

घर भी दो हिस्सों में बंटे: यह अनोखा नजारा बेल्जियम के बार्ले-हर्टोग और नीदरलैंड के बार्ले-नासाउ इलाके की जटिल सीमा व्यवस्था से जुड़ा है। इन दोनों क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सीमाएं इतनी उलझी हुई हैं कि कई जगहों पर वे सड़कों, दुकानों और रिहायशी इमारतों के बीच से गुजरती हैं। यहां बेल्जियम के कुछ छोटे-छोटे भूभाग नीदरलैंड के क्षेत्र के भीतर स्थित हैं। इन्हें एन्क्लेव कहा जाता है।

इस इलाके में सीमा का निर्धारण इतना अनोखा है कि कई घरों के अंदर तक देशों की सीमाएं पहुंच जाती हैं। कुछ इमारतों में सीमा जमीन पर सफेद निशानों से दिखाई जाती है, ताकि पता चल सके कि कौन सा हिस्सा किस देश में है। इस व्यवस्था के पीछे सदियों पुराने जमीन के स्वामित्व और ऐतिहासिक समझौतों की भूमिका रही है। समय के साथ ये सीमाएं बरकरार रहीं और आज यही व्यवस्था इस इलाके को दुनिया के सबसे अनोखे पर्यटन स्थलों में शामिल करती है।

अधूरी पुलिया बनी मौत का रास्ता, नीचे गिरे बाइक सवार, दो घायल

एक साल से निर्माण अधूरा, न सुरक्षा दीवार और न संकेतक की व्यवस्था; ग्रामीणों ने प्रशासन की लापरवाही पर उठाए सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

तारादेही थाना क्षेत्र के ग्राम सर्रा से दो किलोमीटर दूर झलौन रोड पर शनिवार रात करीब 8 बजे अधूरी पुलिया के कारण बाइक सवार दो युवक हादसे का शिकार हो गए। पुलिया के पास पहुंचते ही बाइक अनियंत्रित होकर नीचे जा गिरी, जिससे मदन ठाकुर और गोरेलाल ठाकुर निवासी ग्राम फुलर घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मानवता दिखाते हुए घायलों की मदद की। उन्होंने तत्काल डायल 112 और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। दोनों घायलों को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद



छुट्टी दे दी गई।

ग्रामीणों के अनुसार पुलिया का निर्माण पिछले साल कराया गया था, लेकिन अब तक अधूरा है। करीब एक माह पहले खोदा गया गड्ढा भी खुला पड़ा है। पुलिया पर न सुरक्षा दीवार है, न संकेतक और न ही रोशनी की व्यवस्था। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग ने सुध नहीं ली। इस मार्ग से दर्जनों गांवों के लोग और वाहन गुजरते हैं। ग्रामीणों ने अधूरा निर्माण पूरा कराने, गड्ढा भरने और सुरक्षा इंतजाम करने की मांग की है।

एक साल से अधूरा निर्माण, हादसों को न्योता

ग्राम निवासी डॉ. प्रदीप पटेल ने बताया कि पुलिया का निर्माण पिछले वर्ष कराया गया था, लेकिन काम आज तक पूरा नहीं हुआ। करीब एक माह पहले पुलिया के पास गड्ढा खोदा गया था, जो अब भी खुला पड़ा है। पुलिया पर सुरक्षा दीवार नहीं होने के कारण वाहन चालकों को खतरा बना रहता है। रात के समय अंधेरा होने से यहां से गुजरना और भी मुश्किल हो जाता है। न तो चेतावनी संकेतक लगाए गए हैं और न ही रोशनी की व्यवस्था की गई है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से जल्द निर्माण पूरा कराने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

ग्रामीणों में आक्रोश, बड़े हादसे का इंतजार?

सर्रा निवासी जगदीश पटेल ने बताया कि इस पुलिया पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन शासन-प्रशासन का ध्यान अब तक इस ओर नहीं गया। ग्रामीणों का कहना है कि अधूरी पुलिया से रोजाना दर्जनों गांवों के लोगों का आवागमन होता है और बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए गए हैं। लोगों में जिम्मेदार विभाग की

सड़क हादसे में युवक का पैर बुरी तरह जख्मी, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो



क्षेत्र में रविवार को हुए सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में युवक के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घायल अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा लाया गया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर होने के चलते उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक की पहचान चंदू पिता मोहन गौड़ (30 वर्ष), निवासी ग्राम नरगुवा, थाना तेंदूखेड़ा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सड़क हादसे में उसके पैर में गंभीर चोट पहुंची, जिसके चलते उसे तत्काल उपचार की आवश्यकता थी। स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच और उपचार के बाद उसकी स्थिति को देखते हुए जबलपुर मेडिकल कॉलेज भेजने की सलाह दी। युवक को बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर किए जाने के बाद परिजन उसे लेकर रवाना हुए। इधर, पुलिस द्वारा हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पूरे मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज विंडो

कुएं में डूबने से जान गंवाने वाले मां-बेटे के परिवार को 8 लाख की आर्थिक सहायता



सिरोंज। ग्राम नेकान में कुएं में डूबने से हुई श्रीमती गुड्डी बाई नायक पत्नी धन सिंह नायक और राजकुमार नायक की दुखद मृत्यु के बाद पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मध्यप्रदेश शासन की ओर से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दोनों दिवंगतों के परिजनों के लिए 4-4 लाख रुपए, कुल 8 लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की है। इसके स्वीकृति पत्र परिजनों को सौंपे गए। दीपावली के पावन अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर वस्त्र और मिठाई वितरित की। साथ ही बच्चों को टॉफियां भेंट कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। इस दौरान परिजनों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी और दुख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति और परिवार को इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और अधिकारी उपस्थित रहे।

शंकर नाला के अंधे मोड़ पर फिर हादसा बाइक सवार युवक गंभीर घायल



तेंदूखेड़ा। झलौन-धनेटा मार्ग पर शनिवार शाम करीब 4:30 बजे शंकर नाला के पास अंधे मोड़ पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान अज्जू पिता अठ्ठू अहिरवार (25), निवासी दरौली के रूप में हुई है। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार टक्कर लगने से युवक सड़क किनारे गिर पड़ा। राहगीरों की सूचना पर डायल 112 और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पायलट संदीप यादव और डॉ. भगवानदास यादव ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। हालत नाजुक होने पर उसे जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन परिजन निजी वाहन से निजी अस्पताल ले गए। ग्रामीणों के अनुसार अंधे मोड़ पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं।

अज्ञात वाहन टक्कर मारकर हुआ फरार, सिर में आई गंभीर चोट; जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर, पहले भी हो चुके हैं कई हादसे

झलौन-धनेटा मार्ग पर आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर

दीपावली की खुशियों के बीच रफ्तार का कहर

दो बाइकों की भिड़ंत में चार युवक गंभीर घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दीपावली के पर्व पर जहां पूरा क्षेत्र खुशियों और रोशनी में सराबोर था, वहीं झलौन-धनेटा मार्ग पर रफ्तार का कहर देखने को मिला। रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत में चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची डायल 112 की टीम ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए चारों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार हल्ले पिता कडोरी गौड़ (19) और राकेश गौड़ (20), निवासी हरदुआ, चौकी इमलिया, बाइक से केवलारी से अपने गांव लौट रहे थे। वहीं दूसरी बाइक पर रमाकांत पिता पच्चू पटेल (20) और हल्लू पिता टेकसिंह गौड़, निवासी ओरियामाल, थाना तारादेही, झलौन की ओर से अपने गांव जा रहे थे। इसी दौरान झलौन-धनेटा मार्ग पर दोनों बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइकें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और चारों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।



कंटेनर की टक्कर से प्रोफेसर गंभीर घायल

तेंदूखेड़ा। दमोह-तेंदूखेड़ा मार्ग पर रविवार को पांजी गांव के पास बराघाट पुल पर अज्ञात कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार प्रोफेसर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल की पहचान यशवंत पिता हरिशंकर अहिरवार (30), निवासी पांजी के रूप में हुई है। वे तेंदूखेड़ा के शासकीय महाविद्यालय में पदस्थ हैं और दीपावली की पूजा में शामिल होने घर जा रहे थे। इसी दौरान कंटेनर चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी और फरार हो गया। परिजनों एवं ग्रामीणों ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मामा-भांजी घायल, जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। स्टेट हाईवे-15 पर झलौन-तेंदूखेड़ा मार्ग स्थित बगदरी के पास रविवार को अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मामा-भांजी घायल हो गए। हादसे में ओमकार पिता मुन्ना विश्वकर्मा (26), निवासी सोमखेड़ा और उनकी भांजी अंशिका साहू (10) घायल हुई हैं। ओमकार भांजी को बिजना गांव छोड़ने जा रहे थे, तभी अंधे मोड़ पर अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी और चालक फरार हो गया। सूचना पर पहुंची डायल 112 की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत के चलते उन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी है।

अज्ञात वाहन ने ट्राइसाइकिल सवार वृद्ध को कुचला, मौत

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के दमोह मार्ग पर शनिवार रात करीब 11 बजे गुरैया नदी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से ट्राइसाइकिल सवार विकलांग वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान प्रहलाद पिता भगवानदास विश्वकर्मा (52), निवासी वार्ड क्रमांक 9, कॉलोनी मोहल्ला, तेंदूखेड़ा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रहलाद रोज की तरह शनिवार रात भी घूमने के लिए दमोह मार्ग की ओर गए थे। इसी दौरान अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। सूचना पर डायल 112 और पुलिस मौके पर पहुंची। वृद्ध को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे गणेश विश्वकर्मा ने बताया कि करीब चार साल पहले दमोह के पास हुए हादसे में उनके पिता का एक पैर अलग हो गया था। इसके बाद से वे ट्राइसाइकिल से आवागमन करते थे। रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश कर रही है।

घर के पीछे बारी में फंदे पर मिला युवक का शव

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के ग्राम अमवाही में रविवार की दरमियानी रात एक 18 वर्षीय युवक ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सोनू पिता कमलेश गौड़, निवासी ग्राम अमवाही के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार युवक ने अपने घर के पीछे बनी बारी में फांसी लगा ली। सुबह जब परिजन जागे तो उन्हें सोनू का शव घर के पीछे मिला। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच-पड़ताल कर पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। युवक ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो सका है।

घर-घर गूंजे गोवर्धन पूजन के मंत्र

दिवारी नृत्य से सजी बुंदेली परंपरा



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

पांच दिवसीय दीपोत्सव के दूसरे दिन सोमवार को तेंदूखेड़ा नगर सहित पूरे ब्लॉक में गोवर्धन पूजा, अन्नकूट और परमा का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही घरों में धार्मिक उत्साह नजर आया। महिलाओं ने घरों के आंगन और छतों पर गोबर से गोवर्धन पर्वत की आकृतियां बनाकर विधि-विधान से पूजन किया और भगवान श्रीकृष्ण को भोग लगाया। जगह-जगह गायों का पूजन भी किया गया। वहीं बुंदेली परंपरा के तहत दिवारी नृत्य की शुरुआत ने पर्व की रौनक बढ़ा दी।

तारादेही, समनापुर, धनगौर, दरौली, सारसबगली, झलौन, सैलबाड़ा, विश्नाखेड़ी, सर्रा और ससना सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्व को लेकर खासा उत्साह रहा। मान्यता है कि गोवर्धन पूजा से परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। आचार्य विद्यासागर दयोदय पशु सेवा केंद्र गौशाला के अध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति संरक्षण के साथ गायों की सेवा और रक्षा का संदेश देती है।

109 साल से कायम है खिरका बांधने की अनूठी परंपरा

दिवारी गीतों और मृदंग-नगाड़ों से गूंजता है तेंदूखेड़ा

दीपावली के दूसरे दिन निभाई जाती है परंपरा, मवेशियों की सुरक्षा और गांव की सुख-समृद्धि के लिए होती है विशेष पूजा; देवताओं की सवारी के बीच उखाड़ा जाता है खिरका

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो



बुंदेलखंड की लोकसंस्कृति और परंपराओं में कई ऐसी अनूठी रस्में शामिल हैं, जो पीढ़ियों से चली आ रही हैं। इन्हीं में एक है तेंदूखेड़ा में दीपावली के दूसरे दिन खिरका बांधने की परंपरा, जो 109 साल से अधिक समय से निरंतर निभाई जा रही है। इस परंपरा में गांव की सुख-समृद्धि, मवेशियों की सुरक्षा और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए देवी-देवताओं की पूजा की जाती है। इस दौरान ग्वालों की टोली दिवारी गीत गाते हुए विभिन्न धार्मिक स्थलों तक पहुंचती है।

कमलेश यादव और घनश्याम यादव ने बताया कि करीब 109 वर्ष पहले बुजुर्गों ने इस परंपरा की शुरुआत की थी। सबसे पहले फकीरा यादव के घर पूजन होता है। इसके बाद अन्नी यादव के घर से सवारी के साथ दिवारी गाते हुए टोली मालवा बाबा के स्थान पहुंचती है, जहां पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद सभी लोग बाजार मोहल्ला स्थित बरगद के पेड़ के पास से होते हुए जैन मंदिर के सामने पहुंचते हैं। जैन मंदिर के सामने खिरका जमीन में गाड़ा जाता है। मान्यता है कि जिन लोगों पर देवी-देवताओं की सवारी आती है, वे खिरका उखाड़ते हैं और मृदंग-नगाड़ों की धुन पर नृत्य करते हैं। रामकुमार यादव ने बताया कि खिरका गांव की सीमा को प्रतीकात्मक रूप से पवित्र करने की विशेष पूजा रस्म है। मान्यता है कि इससे नकारात्मक शक्तियां गांव में प्रवेश नहीं करतीं और पशुधन सुरक्षित रहता है। मालवा बाबा के स्थान को भी सार्वजनिक चंदे से तीन वर्ष पहले बाउंड्रीवॉल बनाकर सुरक्षित किया गया है।

मेट्रो एंकर

115 साल पुराने आर्ष गुरुकुल की वैदिक शिक्षा पद्धति से हुए रूबरू

गोवर्धन पूजन पर गौशाला पहुंचे कलेक्टर, गायों को खिलाया हरा चारा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

गोवर्धन पूजन के अवसर पर सोमवार को कलेक्टर आशीष वशिष्ठ नर्मदापुरम स्थित आर्ष गुरुकुल की गौशाला पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान से गायों का पूजन किया और उन्हें हरा चारा, गुड़ एवं पशु आहार खिलाकर गौ सेवा की। इस दौरान उन्होंने गौशाला की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर गोवंश के रखरखाव और शासन से मिलने वाले अनुदान की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जिले की शासकीय और अशासकीय गौशालाओं में गोवर्धन पूजन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में कलेक्टर ने गुरुकुल का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण और संवर्धन



शासन की प्राथमिकता है। गौशालाओं में बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना जरूरी है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एसडीएम देवेंद्र प्रताप सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट सीमा बड़ोले सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

115 साल से वैदिक शिक्षा की परंपरा कायम

आर्ष गुरुकुल के संचालक एवं महंत आचार्य जगत देव नैष्ठिक ने बताया कि गुरुकुल करीब 115 वर्ष पुराना है। यहां विद्यार्थियों को वैदिक परंपराओं के अनुसार शिक्षा दी जाती है। शिक्षा के साथ गौ सेवा और भारतीय संस्कृति के संस्कारों पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। गुरुकुल की गौशाला में गायों की नियमित देखभाल की जाती है। यहां कुछ निराश्रित गोवंश को भी आश्रय दिया गया है। कलेक्टर ने गुरुकुल की शिक्षा पद्धति, विद्यार्थियों और गोवंश की संख्या के संबंध में भी जानकारी ली।

वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ स्वागत

गुरुकुल पहुंचने पर विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलेक्टर का स्वागत किया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर ने गुरुकुल के प्राकृतिक वातावरण, धार्मिक परंपराओं और शिक्षा व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपराओं का जीवंत स्वरूप देखने को मिलता है। गौशाला संचालक और पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से पशु आहार, देखभाल तथा शासकीय अनुदान की जानकारी भी ली। विद्यार्थियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ही कलेक्टर को विदाई दी। इस अवसर पर प्रशासनिक और पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

8 वर्षीय बालिका से छेड़छाड़ की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। दोपहर मेट्रो

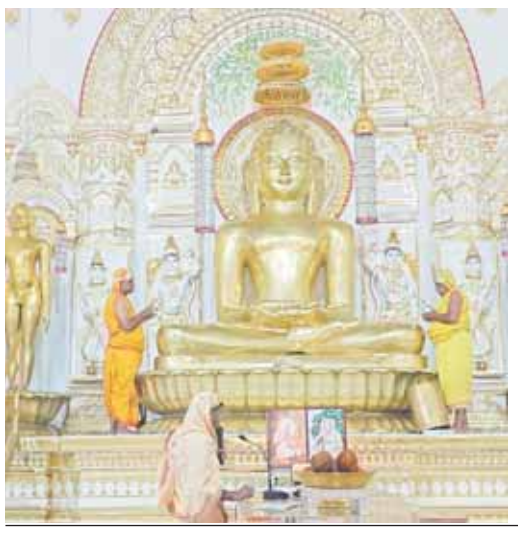
तेजगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में 8 वर्षीय बालिका के साथ छेड़छाड़ की कोशिश का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच और आरोपी से पूछताछ कर रही है।

जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव में आरोपी ने बालिका के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की। घटना की जानकारी बालिका के परिजनों को लगी तो उन्होंने तत्काल तेजगढ़ पुलिस को सूचना दी। इसके बाद थाना प्रभारी अरविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बालिका और उसके परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी जुटाई है। साथ ही आरोपी से भी पूछताछ की जा रही है।

पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच कर तथ्यों के आधार पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। बालिका की सुरक्षा और उसके बयान को लेकर विशेष संवेदनशीलता बरती जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि बच्चों के विरुद्ध होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि या घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

कार्तिक अमावस्या पर शांतिधारा, विधान और पूजन-अर्चन के साथ हुआ निर्वाण लाडू समर्पित; संध्या को भव्य महाआरती में उमड़े श्रद्धालु

151 दीपों की रोशनी से जगमगाया सर्वोदय तीर्थ, भक्तिभाव से मनाया गया महावीर स्वामी का निर्वाण लाडू महोत्सव



अमरकंटक । दोपहर मेट्रो

पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित दिगंबर जैन सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र में सोमवार, 9 नवंबर को कार्तिक अमावस्या के अवसर पर भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण लाडू महोत्सव श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। सुबह से ही तीर्थ परिसर में जैन समाज के श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। इस अवसर पर भगवान आदिनाथ एवं 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमाओं की शांतिधारा, विधान, पूजन-अर्चन और आरती की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के चरणों में निर्वाण लाडू अर्पित कर सुख-शांति और मंगल की कामना की। महोत्सव के दौरान पूरे तीर्थ परिसर में 151 दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे परिसर रोशनी से जगमगा उठा। संध्या के समय भगवान महावीर स्वामी की भव्य महाआरती आयोजित हुई। इसमें बड़ी संख्या में समाज के महिला-पुरुषों और श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, संयम और आत्मकल्याण के संदेश को स्मरण किया गया।

पावापुरी में प्राप्त किया था निर्वाण

जैन धर्म की मान्यताओं के अनुसार कार्तिक अमावस्या के दिन भगवान महावीर स्वामी ने बिहार के पावापुरी में देह त्यागकर निर्वाण अर्थात मोक्ष प्राप्त किया था। इसी पावन स्मृति में प्रतिवर्ष जैन समाज द्वारा निर्वाण लाडू महोत्सव मनाया जाता है। यह पर्व भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय और ब्रह्मचर्य के सिद्धांतों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है। श्रद्धालु निर्वाण लाडू अर्पित कर उनके बताए आत्मशुद्धि और मोक्ष मार्ग का स्मरण करते हैं। यह अवसर धर्म, अध्यात्म और आत्मकल्याण के प्रति आस्था प्रकट करने का प्रतीक है।

सकल जैन समाज ने निभाई सहभागिता

निर्वाण लाडू महोत्सव में सुनील जैन बाबा, देवेंद्र जैन चिन्नू, आदित्य जैन, अनुज जैन, राकेश जैन, नीलेश जैन, वीरेंद्र जैन, प्रकाश चंद जैन, पुनीत जैन, सोनू जैन, मोनू जैन, दीपचंद जैन, संदीप जैन, प्रशांत जैन, गोलू जैन, पंकज जैन, अभिषेक जैन, दया जैन, महेश जैन, निधि जैन और ललित जैन सहित सकल जैन समाज के सदस्य उपस्थित रहे। महिलाओं और अन्य श्रद्धालुओं ने भी धार्मिक आयोजनों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने भगवान महावीर के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

सीहोर जिले के गांव में आग से 20 ट्राली भूसा, घरेलू और कृषि का सामान जला

सीहोर । दोपहर मेट्रो

जिले की इच्छावर तहसील के ग्राम जमुनिया हटे सिंह में भीषण आग लगने से लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई। आग की चपेट में आने से करीब 20 ट्राली भूसा, कृषि उपकरण और घरेलू व कृषि सामग्री नष्ट हो गई। इस अग्निकांड में एक गाय और एक भैंस के भी प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। ग्रामीणों के अनुसार, घटना में करीब 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम जमुनिया हटे सिंह निवासी भोजराज, दिलीप और महेश के यहां आग लगने से भारी नुकसान हुआ। आग इतनी भीषण थी कि देखते ही देखते भूसा और अन्य सामग्री जलकर राख हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, आग में पशुओं के चारे के साथ खेती-किसानी में उपयोग होने वाले उपकरण भी नष्ट हो गए।

न्यूज विंडो

पूर्वजों की स्मृति में मुक्तिधाम में रोशन हुए 500 दीप, जगमगाया परिसर



सिरोंज। दीपावली की शाम लटेरी रोड स्थित मुक्तिधाम परिसर में भी दीपों की रोशनी बिखरी। मोक्षधाम सेवा समिति के सदस्यों ने 'एक दीपक पूर्वजों के नाम' अभियान के तहत जनसहयोग से परिसर में करीब 500 दीपक जलाकर दिवंगत पूर्वजों को श्रद्धांजलि दी। दीपों से पूरा परिसर जगमगा उठा। विधायक उमाकांत शर्मा की प्रेरणा और नगर के जागरूक नागरिकों के सहयोग से समिति कई वर्षों से मुक्तिधाम को सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाने के प्रयास कर रही है। समिति ने दो वर्ष पहले निर्णय लिया था कि दीपावली पर जब पूरा शहर रोशनी से जगमगाता है, तब अमावस्या की रात मुक्तिधाम जैसे निर्जन स्थान को भी दीपों से रोशन किया जाएगा। हाल ही में समिति ने जनसहयोग से परिसर में भव्य मंदिर का निर्माण कराकर राजा हरिश्चंद्र, उनकी पत्नी तारामती और पुत्र राहुल की प्रतिमाएं स्थापित कराई हैं। दीपावली पर सदस्यों ने पूजा-अर्चना के बाद दीपमाला सजाई। इस अवसर पर सचिन शर्मा, श्यामकुमार साहू, शेरसिंह राजपूत, दिमान कुशवाह, संजीव यादव, रोहित अग्रवाल सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे।

गीत-संगीत की महफिल में सजे दीपावली मिलन के रंग, सुरसाधकों ने बांधा समां



नरसिंहपुर। अभिनंदन म्यूजिकल ग्रुप नरसिंहपुर द्वारा दीपावली मिलन समारोह के तहत दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगीत प्रेमियों और सुरसाधकों ने एकल एवं युगल गीतों की शानदार प्रस्तुतियां देकर उत्सव को यादगार बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत मनीषा ठाकुर द्वारा मां सरस्वती की वंदना की प्रस्तुति से हुई। इसके बाद गायकों ने सुरीले गीतों के माध्यम से दीपावली की खुशियां साझा कीं और आपसी स्नेह मिलन किया। कार्यक्रम का संचालन भागीरथ विश्वकर्मा ने किया। इसमें राजेश गुप्ता, मनोज नेमा, माधव शिंदे, विजय पटैल, मुकेश गुप्ता, विकास हार्दिक नेमा, आकाश ठाकुर, मनीष नेमा, संजय नेमा, विश्वनाथ ठाकुर, सुभाष सराठे, नीरज गुप्ता, गजेंद्र कोष्ठा, अमित सेन, अमित दुबे, मनीषा धुर्वे, करन पटेल, रोहित जाटव, अनिल नेमा और मुकेश शर्मा सहित अन्य गायकों ने गीतों की प्रस्तुति दी। अंत में विश्वनाथ ठाकुर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

गौमय दीपकों से रोशन हुआ नौलखी मंदिर श्रद्धालुओं को बांटे पांच हजार दीपक



गंजबासौदा। दीपावली के पावन पर्व पर स्टेशन रोड स्थित श्री नौलखी मंदिर एवं नौलखी घाट आश्रम में गौमय दीपकों से दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने श्रद्धालुओं को गाय के गोबर से निर्मित दीपक वितरित किए और दीपावली पर इनका उपयोग करने की अपील की। मंदिर में प्रतिदिन होने वाले सीताराम संकीर्तन के बाद श्रद्धालुओं को दीपक बांटे गए। कलेक्टर अंशुल गुप्ता की पहल पर इस वर्ष श्री जगन्नाथ दास गौशाला में करीब पांच हजार गौमय दीपकों का निर्माण कराया गया था। इन्हें मंदिर और आश्रम के माध्यम से श्रद्धालुओं तक पहुंचाया गया। महंत श्री राम मनोहर दास जी महाराज ने कहा कि गौमय दीपकों का निर्माण और वितरण गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने की अच्छी पहल है। गौ आधारित उत्पादों से गौशालाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने अभियान को प्रतिवर्ष जारी रखने की बात कही। विधायक ने भी समाज से गौ संरक्षण और संवर्धन में सहभागी बनने की अपील की।

पांच पुलिस टीमें गठित कर चार आरोपी पकड़े, वाहन भी जब्त

महिंद्रा शोरूम से कर्मचारी का अपहरण पुलिस ने नालछा से सकुशल छुड़ाया

धार। दोपहर मेट्रो

शहर की आदर्श सड़क स्थित सौम्या महिंद्रा शोरूम से शनिवार दोपहर एक कर्मचारी का बोलेरो सवार युवकों ने अपहरण कर लिया। आरोपियों ने सर्विसिंग की बात कहकर कर्मचारी आकाश गिरवाल को वाहन के पास बुलाया और मारपीट करते हुए जबरन बोलेरो में बैठाकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर के निर्देशन में सीएसपी योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में पांच टीमें गठित की गईं। साइबर और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से पुलिस ने अपहृत आकाश को नालछा से सकुशल बरामद कर लिया। मामले में चार आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर वारदात में प्रयुक्त बोलेरो भी जब्त की गई है।

पुलिस के अनुसार ग्राम तलवाड़ा निवासी पवन गिरवाल ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 7 नवंबर को वह अपने चचेरे भाई आकाश के साथ शोरूम में काम कर रहा था। दोपहर करीब एक बजे सफेद बोलेरो में तीन-चार लोग पहुंचे और आकाश को मांडव की ओर ले गए। पुलिस ने अपराध क्रमांक 679/2026, धारा 140(3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। पूछताछ में आकाश ने बताया कि उसकी बातचीत आरोपी अर्जुन गिरवाल की पत्नी से होती थी। इसी बात को लेकर अर्जुन ने साथियों के साथ मिलकर उसका अपहरण किया था।



पत्नी से बातचीत बनी अपहरण की वजह

पुलिस की पूछताछ में अपहरण की वजह सामने आई है। अपहृत कर्मचारी आकाश गिरवाल ने बताया कि उसकी बातचीत आरोपी अर्जुन गिरवाल की पत्नी से होती थी। इसी बात को लेकर अर्जुन उससे नाराज था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर आकाश को सबक सिखाने की योजना बनाई। शनिवार दोपहर आरोपी बोलेरो लेकर महिंद्रा शोरूम पहुंचे। सर्विसिंग कराने की बात कहकर आकाश को वाहन के पास बुलाया और उसके साथ मारपीट कर जबरन गाड़ी में बैठा लिया। इसके बाद आरोपी उसे लेकर मांडव की ओर रवाना हो गए। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आकाश को नालछा से सकुशल बरामद किया।

चार आरोपी अभिरक्षा में, बोलेरो वाहन जब्त

पुलिस ने अपहरण के मामले में चार आरोपियों को अभिरक्षा में लिया है। इनमें अर्जुन गिरवाल पिता सीताराम (26), निवासी कांकलपुरा थाना नालछा, अरविंद कटारे पिता भारमल (21), निवासी भीलकुंडा, रूप सिंह डाबर पिता करण सिंह (21), निवासी ग्राम सोडपुर और लव चौहान पिता गुलाब सिंह (18), निवासी अवल थाना नालछा शामिल हैं। वारदात में इस्तेमाल बोलेरो वाहन अर्जुन के साले अंबाराम पिता रामसिंह का बताया गया है। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है। कार्रवाई में कोतवाली और नौगांव पुलिस के साथ साइबर टीम की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई जारी है।

रंगोली में रामायण पाठ करते नजर आए बजरंगबली, अंशिता की कला ने जीता दिल



गंजबासौदा । दोपहर मेट्रो

दीपावली के उल्लास के बीच मंशापूर्ण हनुमान मंदिर के पास रहने वाली अंशिता अरोरा ने अपनी कलाकारी से लोगों का मन मोह लिया। अनिल अरोरा की बेटी अंशिता ने रंगोली के माध्यम से भगवान हनुमानजी की आकर्षक छवि उकेरी है। रंगों से सजी इस कलाकृति में उन्होंने बजरंगबली को रामायण का पाठ करते हुए दर्शाया है।

रंगोली की बारीक कारीगरी और सुंदर सजावट राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां से गुजरने वाले लोग रुककर कलाकृति को निहार रहे हैं और अंशिता की कला की सराहना कर रहे हैं। खास बात यह है कि अंशिता हर साल दीपावली पर रंगोली बनाती हैं। इस बार हनुमानजी की भक्ति से सजी उनकी कलाकृति ने दीपोत्सव की रौनक को और बढ़ा दिया है।

पांच लाख की 55.61 ग्राम एमडी ड्रग्स तस्करी में दो तस्कर गिरफ्तार

इंदौर। दोपहर मेट्रो

अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त, तस्करी एवं इनकी गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए नशा मुक्ति अभियान के तहत सघन चेकिंग व धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। क्राइम ब्रांच की टीम शहर में गश्त व चेकिंग के दौरान सुपर कॉरिडोर रोड (सर्विस रोड), पिलर न पी-213 के पास पहुंची।

वहां सड़क किनारे एक बिना नंबर की हीरो पैशन प्रो मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बैठे दिखाई दिए। पुलिस को देखकर हड़बड़ाने लगे। टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आमीन मंसूरी और समीर कुरैशी, निवासी रतलाम बताया। टीम को संदेहास्पद स्थिति प्रतीत होने पर दोपहिया वाहन की चेकिंग की टीम को संदेहास्पद स्थिति प्रतीत होने पर दोपहिया वाहन की चेकिंग की। दोपहिया वाहन में



रखे बैग के अंदर से 55.61 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स (मेफेड्रोन) बरामद हुआ। आरोपित आमीन मंसूरी (30) निवासी अशोक नगर, थाना माणकचौक, रतलाम और समीर कुरैशी, (21) निवासी थाना स्टेशन रोड, रतलाम को गिरफ्तार किया। आरोपियों से की जा रही है पूछताछ दोनों से 55.61 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी ड्रग्स (अनुमानित कीमत पांच लाख 50 हजार रुपये) और एक सफेद रंग की बिना नंबर की हीरो पैशन प्रो दोपहिया वाहन (करीब 50 हजार रुपये) जब्त किया।

दीपावली की आगजनी ने खोली नगरपालिका की पोल, 40 मिनट बाद पहुंची फायर ब्रिगेड

पहली गाड़ी में पानी नहीं, दूसरी का पंप नहीं बना पाया प्रेशर; पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति ने व्यवस्था और अधिकारियों की जवाबदेही पर उठाए सवाल

नरसिंहपुर । दोपहर मेट्रो

दीपावली पर अपने निवास में हुई आगजनी की घटना को लेकर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं पूर्व ऊर्जा मंत्री एनपी प्रजापति ने नगरपालिका की अग्निशमन व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संतराम पैराडाइज में आयोजित पत्रकारवार्ता में उन्होंने आरोप लगाया कि सूचना देने के करीब 40 मिनट बाद फायर ब्रिगेड पहुंची, जबकि घटनास्थल नगरपालिका कार्यालय से महज 5 से 7 मिनट की दूरी पर था। आग में उनकी कार और मोटरसाइकिल जलकर नष्ट हो गईं, हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई।

प्रजापति ने बताया कि पहली फायर ब्रिगेड में पर्याप्त पानी नहीं था, जबकि दूसरी गाड़ी का पंप प्रेशर नहीं बना पा रहा था। कर्मचारियों को पंप



चलाने की तकनीक की भी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि दीपावली की शाम बिजली बंद होने से घर के मोटर पंप का उपयोग भी नहीं हो सका। उनके अनुसार, घर के चारों ओर दीवार और ऊपर पक्की छत होने से आग फैलने से बच गई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। उन्होंने सवाल उठाया कि त्योहार पर नगरपालिका सीएमओ अवकाश पर थे तो व्यवस्था किसके भरोसे छोड़ी गई थी और उनकी छुट्टी किसने स्वीकृत की? उन्होंने यह भी कहा कि टैक्स, जिसमें फायर टैक्स भी शामिल है, बढ़ाने के बावजूद सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त नहीं है। प्रजापति ने जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई, फायर ब्रिगेड के रखरखाव रजिस्टर की जांच और नुकसान की भरपाई की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। शहर की सीमाओं के विस्तार पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि जब मौजूदा व्यवस्था ठीक नहीं है तो विस्तारित क्षेत्र में सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी। उन्होंने फायर ब्रिगेड में पर्याप्त पानी, चालू पंप और प्रशिक्षित कर्मचारियों की तैनाती के साथ त्योहारों पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने की मांग की।

मेट्रो एंकर विधायक उमाकांत शर्मा सहित श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना, गोबर से निर्मित विशाल गोवर्धन भगवान का किया पूजन

गौशाला में गोवर्धन पूजन, अन्नकूट का लगाया भोग, गौ सेवा कर लिया आशीर्वाद

सिरोंज । दोपहर मेट्रो

लटेरी रोड स्थित श्री श्रीकृष्ण गौशाला में दीपावली के दूसरे दिन परंपरागत गोवर्धन पूजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। सोमवार दोपहर आयोजित कार्यक्रम में गौशाला संरक्षक एवं विधायक उमाकांत शर्मा, समिति पदाधिकारियों और श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। गोबर से निर्मित विशाल गोवर्धन भगवान का गौशाला समिति अध्यक्ष संतोष चौरे और समाजसेवी सत्यनारायण शर्मा ने पूजन किया। पंडित पूर्णानंद चतुर्वेदी ने वैदिक मंत्रों का वाचन किया। मध्यप्रदेश सरकार के निर्णय के तहत आयोजित पूजन में एसडीएम ओमनारायण बड़कुल सहित प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए।



भगवान गोवर्धननाथ का आकर्षक श्रृंगार कर अन्नकूट की प्रसादी का भोग लगाया गया। विधायक उमाकांत शर्मा ने गौशाला परिसर में तुलसी माता और सजी-धजी गौमाताओं का पूजन कर गौग्रास अर्पित किया। इसके बाद सामूहिक आरती और गोवर्धन भगवान की परिक्रमा की गई। श्रद्धालुओं ने गौशाला में रह रहीं सैकड़ों गायों को पुड़ी, गुड़ और हरी घास खिलाई।

विधायक शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा के माध्यम से प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। उन्होंने प्रत्येक घर में गोपालन को बढ़ावा देने और किसानों से कम से कम दो गाय पालने की अपील की। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष दरियाब सिंह कुर्मी, नगर पालिका अध्यक्ष मनमोहन साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समिति सदस्य और नागरिक उपस्थित रहे।

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ पूजन, लगाया भोग

श्रीकृष्ण गौशाला में गोवर्धन पूजन के लिए गोबर से भगवान गोवर्धन का विशाल स्वरूप तैयार किया गया था। भगवान का आकर्षक श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजा की गई। पंडित पूर्णानंद चतुर्वेदी ने वैदिक मंत्रों का वाचन किया। गौशाला समिति अध्यक्ष संतोष चौरे और समाजसेवी सत्यनारायण शर्मा ने पूजन किया। इसके बाद भगवान गोवर्धननाथ को विभिन्न प्रकार के पकवानों से तैयार अन्नकूट का भोग अर्पित किया गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक आरती कर भगवान की परिक्रमा की। पूरे परिसर में धार्मिक और भक्तिमय वातावरण बना रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजन में सहभागिता की।

विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने गौमाता की सेवा और संरक्षण के लिए गौशालाओं को मिलने वाली राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गाय कर दी है। यह गौसेवा की दिशा में सराहनीय कदम है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अपने घरों में कम से कम दो गायों का पालन करें। इससे सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित गोवंश की संख्या कम करने में मदद मिलेगी।

आईपीएल 2027 , मिनी नीलामी से पहले फेंचाइजी में मची हलचल

ऋषभ पंत की दिल्ली में वापसी, कुलदीप लखनऊ पहुंचे

मुंबई, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले ट्रेड विंडो में बड़ा फेरबदल देखने को मिल रहा है। आगामी सत्र के लिए सभी फ्रेंचाइजी अपनी टीमों को मजबूत करने और खिलाड़ियों के संयोजन को बेहतर बनाने में जुटी हैं। इसी बीच आठ खिलाड़ियों की टीमों में बदलाव ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। सबसे ज्यादा चर्चा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में वापसी और भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव के लखनऊ सुपर जाएंट्स में शामिल होने को लेकर है। इसके अलावा चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच चार खिलाड़ियों का बड़ा लेनदेन हुआ है।

इस बार ट्रेड विंडो में भारतीय खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेटर भी शामिल हैं। इन बदलावों से आगामी सत्र में कई टीमों की रणनीति और खिलाड़ियों की भूमिका बदल सकती है।

ऋषभ पंत की दिल्ली कैपिटल्स में घर वापसी

इस ट्रेड विंडो का सबसे बड़ा नाम ऋषभ पंत हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स से दिल्ली कैपिटल्स में उनकी वापसी हुई है। उनकी ट्रेड वैल्यू 15 करोड़ रुपये तय की गई है। पंत इससे पहले दिल्ली की कप्तानी कर चुके हैं और इसी टीम के साथ उन्होंने आईपीएल में अपनी पहचान बनाई थी। गौरतलब है कि 2025 की बड़ी नीलामी में लखनऊ ने पंत को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। अब 15 करोड़ रुपये की ट्रेड वैल्यू के साथ उनकी दिल्ली वापसी हुई है। पंत के आने से दिल्ली की बल्लेबाजी और नेतृत्व क्षमता को



लियाम लिविंगस्टोन अब चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा

इंग्लैंड के विस्फोटक ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन सनराइजर्स हैदराबाद से चेन्नई सुपर किंग्स में पहुंच गए हैं। उनकी ट्रेड वैल्यू छह करोड़ रुपये है। लिविंगस्टोन बड़े शॉट लगाने के साथ ऑफ स्पिन और लेग स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। उनके आने से चेन्नई का मध्यक्रम और ऑलराउंड विभाग मजबूत हो सकता है।

खलील अहमद हैदराबाद की टीम में पहुंचे| चेन्नई सुपर किंग्स के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद अब सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलेंगे। उनकी ट्रेड वैल्यू 4.8 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। नई गेंद से स्विंग और शुरुआती ओवरों में विकेट निकालने की क्षमता खलील को खास बनाती है। उनके आने से हैदराबाद के तेज गेंदबाजी आक्रमण को नया विकल्प मिलेगा।

जैक एडवर्ड्स को चेन्नई ने अपने साथ जोड़ा| ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर जैक एडवर्ड्स सनराइजर्स हैदराबाद से चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुए हैं। उनकी ट्रेड वैल्यू तीन करोड़ रुपये है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में योगदान देने की क्षमता के चलते वह चेन्नई के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। उनके आने से टीम के विदेशी खिलाड़ियों के विकल्प भी बढ़ेंगे।

कुलदीप यादव अब लखनऊ सुपर जाएंट्स ऋषभ पंत के दिल्ली पहुंचने के साथ ही कुलदीप यादव ने लखनऊ सुपर जाएंट्स का दामन थाम लिया है। उनकी ट्रेड वैल्यू 13.50 करोड़ रुपये रखी गई है। भारतीय टीम के प्रमुख बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप अपनी फिरकी और विकेट लेने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। लखनऊ को उम्मीद होगी कि उनके आने से स्पिन गेंदबाजी मजबूत होगी।

जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स में शामिल| टी नटराजन के बदले दिल्ली कैपिटल्स ने लेग स्पिनर जीशान अंसारी को अपनी टीम में शामिल किया है। उनकी ट्रेड वैल्यू 40 लाख रुपये है। 26 वर्षीय जीशान अपनी लेग स्पिन से बल्लेबाजों को चुनौती देने की क्षमता रखते हैं। दिल्ली को उनसे स्पिन विभाग में अतिरिक्त मजबूती मिलने की उम्मीद है।

टी नटराजन की हैदराबाद में वापसी| बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन दिल्ली कैपिटल्स से सनराइजर्स हैदराबाद पहुंच गए हैं। उनकी ट्रेड वैल्यू पांच करोड़ रुपये तय हुई है। नटराजन पहले भी हैदराबाद की ओर से खेल चुके हैं। सटीक यॉर्कर और अंतिम ओवरों में प्रभावी गेंदबाजी उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उनके अनुभव से हैदराबाद को गेंदबाजी में फायदा मिल सकता है।

टीम इंडिया का ऐलान दिसंबर में साउथ अफ्रीका से होगी 7 मैचों की भिड़ंत



नई दिल्ली। साल के आखिरी महीने में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का साउथ अफ्रीका में बड़ा इम्तिहान होने वाला है। इस दौरे पर टीम इंडिया टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में मेजबान टीम से भिड़ेगी। इसके लिए भारतीय चयनकर्ताओं ने तीनों फॉर्मेट की टीमों का ऐलान कर दिया है। स्मृति मंधाना को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी गई है। वह टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों में कप्तानी करेंगी।

भारतीय महिला टीम दिसंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट, तीन वनडे और तीन टी20 इंटरनेशनल मैच खेलेगी। दौरे की शुरुआत 9 दिसंबर को गकेबरहा में होने वाले टेस्ट मुकाबले से होगी। इसके बाद वनडे सीरीज और फिर टी20 सीरीज खेली जाएगी। चयनकर्ताओं ने तीनों फॉर्मेट के लिए अलग-अलग टीम चुनी हैं, हालांकि टेस्ट और वनडे टीम में खिलाड़ियों का बड़ा हिस्सा समान है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार हैं। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण करीब चार महीने तक मैदान से दूर रहने के बाद साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है।

एशेज सीरीज भी नहीं बचा पाएगी खजाना!

भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे पर नहीं जाने से ईसीबी को लगेगा 627 करोड़ का झटका

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड क्रिकेट के लिए साल 2027 आर्थिक मोर्चे पर बड़ी चुनौती लेकर आ सकता है। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को इस साल करीब 5 करोड़ पाउंड यानी लगभग 627 करोड़ रुपये के नुकसान का अनुमान है। हैरानी की बात यह है कि इसी साल इंग्लैंड की धरती पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिष्ठित एशेज सीरीज भी खेली जाएगी, लेकिन इससे होने वाली कमाई भी बोर्ड के संभावित घाटे की भरपाई नहीं कर पाएगी। इस आर्थिक संकट की सबसे बड़ी वजह भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरे पर नहीं आना माना जा रहा है।

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईसीबी के सामने आर्थिक संकट की दो प्रमुख वजहें हैं। पहली वजह 2027 में भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा नहीं होना है, जबकि दूसरी वजह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा सदस्य देशों को वितरित किए जाने वाले प्रसारण राजस्व का कुछ हिस्सा अपने पास रखने का फैसला है। भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरा वहां के क्रिकेट बोर्ड के लिए कमाई का बड़ा जरिया होता है। भारत में क्रिकेट की जबरदस्त लोकप्रियता और विशाल दर्शक संख्या के कारण भारतीय टीम के मुकाबलों के प्रसारण अधिकार काफी महंगे बिकते हैं। ऐसे में 2027 में भारत के दौरे की अनुपस्थिति से ईसीबी को बड़ी व्यावसायिक कमाई का नुकसान उठाना पड़ सकता है।



प्रसारण समझौते पर भी संकट

ईसीबी का सोनी पिक्चर्स के साथ छह साल का प्रसारण समझौता है, जिसकी कीमत 18.5 करोड़ पाउंड यानी करीब 2,323 करोड़ रुपये बताई गई है। यह करार 2028 में समाप्त होगा। इसके बाद नए समझौते में पहले के मुकाबले कम रकम मिलने की आशंका जताई जा रही है। इससे बोर्ड की भविष्य की आमदनी पर भी दबाव बढ़ सकता है। आर्थिक परेशानी की दूसरी बड़ी वजह आईसीसी का वर्ष 2027 में सदस्य देशों को दिए जाने वाले प्रसारण राजस्व का एक हिस्सा अपने पास रखने का निर्णय है। इसका प्रभाव सभी 12 पूर्ण सदस्य देशों पर पड़ सकता है। वर्ष 2028 से शुरू होने वाले नए व्यावसायिक चक्र में प्रसारण से कम कमाई की आशंका को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

घाटा 627 से घटाकर 439 करोड़ करने की कोशिश| ईसीबी इस संभावित नुकसान को कम करने के लिए आईसीसी से बातचीत कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड घाटे को 5 करोड़ पाउंड से घटाकर करीब 3.5 करोड़ पाउंड यानी 439 करोड़ रुपये तक सीमित रखना चाहता है। हालांकि, आईसीसी कितना राजस्व अपने पास रखेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। इस आर्थिक संकट का असर इंग्लैंड के घरेलू क्रिकेट पर भी दिखाई दे सकता है। देश की 18 काउंटी टीमों में से 10 अपने हालिया वित्तीय खातों में घाटा दर्ज कर चुकी हैं। इनमें से कई टीमें ईसीबी की आर्थिक मदद पर निर्भर हैं। गौरतलब है कि ईसीबी ने 2025 में 1.26 करोड़ पाउंड का मुनाफा दर्ज किया था, लेकिन 2027 की वित्तीय चुनौतियां बोर्ड के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

न्यूजीलैंड दौरे के बीच टीम इंडिया में बड़ा बदलाव!

गंभीर वनडे टीम के साथ रहेंगे टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए कोटक-मोर्कल संभालेंगे मोर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबलों से पहले टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ की जिम्मेदारियों में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। तीसरे वनडे के बाद भारतीय कोचिंग टीम दो हिस्सों में बंट जाएगी। मुख्य कोच गौतम गंभीर और स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले वनडे टीम के साथ माउंट माउंगानुई में रहेंगे, जबकि बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक और तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल टेस्ट टीम की तैयारियों के लिए वेलिंगटन रवाना होंगे।

टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए अलग होगा कोचिंग स्टाफ- हैमिल्टन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने इस योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गौतम गंभीर वनडे टीम के साथ रहेंगे



और संभव है कि साईराज बहुतुले भी उनके साथ रुकें। वहीं, वह खुद मोर्ने मोर्कल और कुछ अन्य सहयोगी स्टाफ के साथ वेलिंगटन जाएंगे। कोटक ने यह भी स्पष्ट किया कि योजना में बदलाव की संभावना बनी हुई है और अंतिम फैसला गौतम गंभीर ही लेंगे। टीम प्रबंधन खिलाड़ियों की फिटनेस और अभ्यास को ध्यान में रखते हुए तैयारियों की रूपरेखा तय करेगा।

गिल और राहुल समेत ये खिलाड़ी जुड़ेंगे टेस्ट टीम से

योजना के मुताबिक, सीतांशु कोटक और मोर्ने मोर्कल 11 फरवरी को कप्तान शुभमन गिल, केएल राहुल, अंशुल कंबोज, मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव के साथ वेलिंगटन पहुंचेंगे। ये सभी खिलाड़ी वनडे सीरीज के चौथे और पांचवें मुकाबले का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, तेज गेंदबाज गुरनूर बरार, औकिब नबी और अर्शदीप सिंह के टेस्ट टीम के साथ नेट गेंदबाज और रिजर्व खिलाड़ियों के रूप में रुकने की संभावना है। गौतम गंभीर और साईराज बहुतुले वनडे टीम के साथ अपनी जिम्मेदारी पूरी करने के बाद 16 फरवरी को पांचवें वनडे के अगले दिन माउंट माउंगानुई से रवाना होंगे। उनके साथ गुरनूर बरार, औकिब नबी और अर्शदीप सिंह भी यात्रा कर सकते हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सोनारिका भदौरिया ने खोली मनोरंजन जगत की काली सच्चाई, बोलीं-

होटल में मिलने का बनाया दबाव, कमरे में छिपाकर रखा था कैमरे वाला फोन

मुंबई। टीवी धारावाहिक देवों के देव महादेव में माता पार्वती का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री सोनारिका भदौरिया ने मनोरंजन जगत से जुड़े अपने कुछ बेहद चौंकाने वाले अनुभव साझा किए हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अपने करियर के दौरान उन्हें कई बार गलत प्रस्तावों का सामना करना पड़ा। एक बार तो कपड़े बदलने वाले कमरे में छिपाकर रखा गया मोबाइल फोन भी मिला था, जिसमें उनकी गतिविधियां दर्ज की जा रही थीं। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने इन घटनाओं का खुलासा किया। सोनारिका ने बताया कि करियर के शुरुआती दौर में एक-दो बार एक प्रसारण चैनल के प्रमुख ने उन्हें संदेश भेजकर होटल में मिलने के लिए कहा था। उस समय निर्माताओं की ओर से उनका



पारिश्रमिक भी रोका जा रहा था। अभिनेत्री के मुताबिक, जब उन्हें होटल में मिलने के लिए कहा गया तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया और संबंधित व्यक्ति को संदेश भेजने से रोक दिया। उन्होंने कहा कि वह ऐसे समझौते करने के बजाय अपना भुगतान छोड़ने को तैयार थीं। उनका परिवार आर्थिक रूप से ठीक था और उन पर किसी तरह का दबाव नहीं था। सोनारिका ने बताया कि महादेव धारावाहिक के बाद वह फिल्मों में काम तलाश रही थीं। इस दौरान कई बार उन्हें परिचितों और प्रबंधकों के माध्यम से फिल्म निर्माताओं से मिलवाया गया। एक बड़े निर्माण संस्थान के अधिकारी ने भी उन्हें मिलने के लिए बुलाया था। अभिनेत्री के अनुसार, दो-तीन लोगों ने संदेशों के जरिए अनुचित संकेत दिए, लेकिन उन्होंने किसी के सामने समझौता नहीं किया।

आरोपी को देख कर खोया आपा, टूट गई थीं चूड़ियां

सोनारिका के अनुसार, मोबाइल फोन में कमरे के अंदर की गतिविधियां दर्ज हो रही थीं। उन्हें शक था कि सफाई कर्मचारी लड़कियों के कमरों में फोन छिपाकर रखते थे, ताकि कपड़े बदलते समय उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए जा सकें। अभिनेत्री ने बताया कि जब संदिग्ध व्यक्ति को पकड़कर सामने लाया गया तो वह अपना गुस्सा नहीं रोक सकीं। उन्होंने उसकी जमकर पिटाई की और इस दौरान उनके हाथों की चूड़ियां तक टूट गईं। सोनारिका के इन खुलासों ने मनोरंजन जगत में महिला कलाकारों की सुरक्षा और कार्यस्थलों पर निजता के अधिकार को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

3 दिन, 12 घंटे की शिफ्ट और बर्फ जैसा ठंडा पानी

रवीना टंडन ने सुनाई टिप-टिप बरसा पानी के पीछे की कहानी

मुंबई। अभिनेत्री रवीना टंडन ने हाल ही में रियलिटी क्विज शो कौन होनार करोड़पति में गेस्ट के तौर पर शिरकत की थी। शो में रवीना टंडन ने होस्ट और अभिनेत्री माधुरी दीक्षित से बातचीत में अपने आइकॉनिक गाने टिप टिप बरसा पानी की मेकिंग को याद करते हुए बताया कि बारिश वाले सीक्वेंस को किन मुश्किल हालातों में शूट किया गया था।

रवीना ने बताया कि यह गाना तीन दिन में शूट हुआ था, जिसमें उन्होंने ठंडे पानी में 12-12 घंटे की शिफ्ट में काम किया था। उन्होंने कहा, ÷उन दिनों गानों की शूटिंग में कई दिन लग जाते थे, तो ऐसे में टिप टिप बरसा पानी का तीन दिन का शेड्यूल स्वभाविक था। रेन सीक्वेंस के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पानी अक्सर कई दिनों तक टैंकरों में स्टोर करके रखा जाता था, जिसके बाद उसे एक्टर्स पर छिड़का जाता था। नतीजा यह होता था कि सेट तक पहुंचते-पहुंचते वह बेहद ठंडा हो जाता था। अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने भी अपने करियर के दौरान कई आइकॉनिक रेन सीक्वेंस शूट किए हैं, वह भी रवीना की बात से सहमत हुईं और याद किया कि कैसे एक्टर्स टेक के बीच में खुद को गर्म रखने के लिए संघर्ष करते थे। रवीना ने एक्टर्स के



थका देने वाले शेड्यूल के बारे में भी बात की। उन्होंने यह भी बताया कि एक समय ऐसा था, जब एक साल में वह लगभग 30 फिल्मों की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, सुबह 7 बजे से दोपहर 2 बजे तक की शिफ्ट में काम करती थीं, फिर दोपहर 2 बजे से अगले दिन सुबह 7 बजे तक एक और शूट करती थीं और फिर सीधे किसी दूसरे सेट पर चली जाती थीं। इतने पैक्ड शेड्यूल के साथ, कई बार ऐसा होता था कि मुझे घर लौटने, फ्रेश होने और कपड़े बदलने का भी मौका नहीं मिलता था।



मेट्रो बाजार

विश्व बैंक ने गरीबी में तेज गिरावट के लिए भारत की तारीफ की, विकासशील देशों के लिए बड़ी सीख

नई दिल्ली । भारत में पिछले दशक में गरीबों की संख्या में तेज गिरावट की वजह मजबूत आर्थिक वृद्धि, खपत और रोजगार में वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा है। साथ ही, देश विकासशील देशों के लिए भी एक बड़ी सीख पेश करता है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। बांग्लादेश के द बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट में विश्व बैंक के हवाले से कहा गया कि भारत ने लगभग 49.6 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है। यह संख्या अमेरिका और रूस की संयुक्त आबादी से भी अधिक है, जो दुनिया में गरीबी में सबसे तेज गिरावट को दर्शाती है।

विश्व बैंक के मुताबिक, 2011 में अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की संख्या 27.1 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई है। विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट में भी यह संकेत दिया गया है कि यदि निम्न-मध्यम आय वाली गरीबी रेखा (प्रति दिन 4.2 डॉलर) को आधार माना जाए, तो इसी अवधि के दौरान गरीबी दर 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, विश्व बैंक ने चेतावनी दी है कि हाल ही में हुई कुछ प्रगति, वास्तविक कल्याणकारी सुधारों के साथ-साथ, चीजों को मापने के तरीकों में आए सुधारों का भी परिणाम हो सकती है। रिपोर्ट में कहा गया, लेकिन ये सुधार सभी क्षेत्रों में एक समान नहीं रहे हैं। असल में, भारत की 57 प्रतिशत गरीब आबादी उत्तर प्रदेश से लेकर पश्चिम बंगाल तक फैले एक बेल्ट में केंद्रित है।

निफ्टी 2027 के अंत तक 28,000 पहुंचेगा मजबूत आय से मिलेगा सपोर्ट : रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारत के मुख्य इक्विटी सूचकांकों में से एक निफ्टी50 अगले साल यानी 2027 के अंत तक 28,000 के स्तर को छू सकता है, जो कि शेयर बाजार के मौजूदा स्तर करीब 25,000 से लगभग 12 प्रतिशत अधिक है। इसे मजबूत आय आउटलुक, कम तेल की कीमतों और एआई पर पूंजीगत खर्च कम होने से सपोर्ट मिलेगा। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ब्रोकरेज फर्म सिटी रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार, कुछ दिनों पहले तक भारतीय इक्विटी बाजार अपने वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाजारों के मुकाबले पीछे चल रहा था। इसका कारण आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े ट्रेड को लेकर वैश्विक स्तर पर अतिउत्साह और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक देश (भारत) के लिए बाजार के नजरिए पर दबाव डाला था।



बीते शुक्रवार तक के पिछले सात सत्रों में निफ्टी50 में 10 प्रतिशत से अधिक की तेजी आई है। यह तेजी विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश में फिर से आए उछाल के कारण देखने को मिली है, क्योंकि इस दौरान एआई से जुड़े ट्रेड कम हुए और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई।

रिपोर्ट में कहा गया, ÷हमारे विश्लेषण के अनुसार, भारत के एक्टिव वेट में 100 आधार अंक की बढ़ोतरी से 12 अरब डॉलर का निवेश आ सकता है। अमेरिकी मध्यावधि चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के बाद भारतीय इक्विटी के प्रति धारणा बेहतर हुई है। इससे यह उम्मीद जगी है कि एआई से जुड़े पूंजीगत खर्च की रफ्तार धीमी हो सकती है। इसके अलावा, तेल की कीमतों में गिरावट और ईरान से जुड़े संघर्ष के खत्म होने की उम्मीदों ने भी बाजार में सकारात्मक माहौल बनाया है।



तुर्किये की स्टील फैक्ट्री में धमाका, 17 मजदूरों की मौत, 12 घायल

» क्रेन गैस लाइन से टकराई, भट्टी में सामान गिरने से विस्फोट; 6 गिरफ्तार

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के इजमिर शहर के पास एक स्टील फैक्ट्री में धमाका हुआ। इसमें 17 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 12 घायल हैं। हादसे के समय फैक्ट्री में काम चल रहा था। [illegible] के मुताबिक, बॉयलर ले जा रही एक क्रेन गैस लाइन से टकरा गई। इसके बाद सामान नीचे लगी भट्टी में गिरा और जोरदार विस्फोट हो गया। मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। स्थानीय गवर्नर सुलेमान एल्बान ने बताया कि हादसा दोपहर के आसपास हुआ। उस समय क्रेन से एक नया बॉयलर ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

बांग्लादेश में फिर भड़की हिंसा

ढाका समेत कई जिलों में धमाके बस ड्राइवर को जिंदा जला दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के फिर एक बार हिंसा भड़क गई है। फरीदपुर में सोमवार तड़के कुछ अज्ञात उपद्रवियों ने खड़ी बस में आग लगा दी और 60 साल के बस ड्राइवर जिंदा जला दिया।बांग्लादेश में इस दौरान राजधानी ढाका समेत कई अन्य जिलों में आगजनी और बम धमाकों की घटनाएं सामने आईं। बांग्लादेश के अखबार 'न्यू एज' के मुताबिक, मृतक की पहचान मोहम्मद कालाचन शेख के रूप में हुई है। ढाका, सावर और गाजीपुर में और भी बसें जलाई गईं। ये घटनाएं पूरे बांग्लादेश में हो रही आगजनी और बम धमाकों के सिलसिले का हिस्सा हैं।

बस पर फेंका पेट्रोल बम, ड्राइवर को जिंदा जलाया

फरीदपुर के गोलचामत नए बस स्टैंड के पास ड्राइवर मोहम्मद कालाचन एक बस के अंदर सो रहे थे, तभी उस बसमें आग लगा दी गई। दमकलकर्मियों ने उन्हें बाहर निकाला और फरीदपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।बांग्लादेश में ही एक अन्य घटना में, सोमवार रात झेनैदाह में इस्लामिक यूनिवर्सिटी के लगभग 35 छात्रों को ले जा रही एक डबल-डेकर बस पर पेट्रोल बम फेंका गया।'दिगंता' नाम की यह बस यूनिवर्सिटी कैंपस की ओर जा रही थी, तभी शैल्कूपा उपजिला के ड्रैगन बागान इलाके में यह हमला हुआ। 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिर, इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

ढाका के मोहम्मदपुर इलाके में सोमवार रात करीब 9:15 बजे टोक्यो स्क्वायर के सामने दो बम धमाके हुए। पुलिस ने बताया कि अभी तक इन घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान नहीं हो पाई है। इसके अलावा, रात करीब 9:30 बजे मीरपुर-11 पोस्ट ऑफिस के सामने 'बसुमती परिवहन' की एक बस में आग लगा दी गई। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ।

हिंसा भड़काने के आरोप में 19 लोग गिरफ्तार



बांग्लादेश में जगह-जगह भड़की हिंसा

'द डेली स्टार' के अनुसार, सोमवार को सावर, ढाका और गाजीपुर में छह बसें जलाई गईं। सावर में, ढाका-अरिचा हाईवे के किनारे खड़ी दो बसों को क्रमशः रात 1 बजे और सुबह 4 बजे गेंडा और बालियारपुर इलाकों में आग के हवाले कर दिया गया।इनमें से एक बस का इस्तेमाल कपड़ा मिल के कर्मचारियों को लाने-ले जाने के लिए किया जाता था, जबकि दूसरी बस 'इतिहास परिवहन' की थी। आग लगने से बसों की सीटें और अंदर का हिस्सा जलकर खराब हो गया।ढाका में, शाम के समय फार्मगेट मेट्रो स्टेशन के नीचे 'लवली परिवहन' की एक बस में आग लगा दी गई।वहीं, मीरपुर-11 में मेट्रो रेल लाइन के नीचे 'बसुमती परिवहन' की एक और बस को रात करीब 9:15 बजे आग के हवाले कर दिया गया।गाजीपुर के कालियाकैरे उपजिला में ढाका-तंगेल राजमार्ग के पास चंद्र इलाके में खड़ी दो बसों में आग लगा दी गई।ढाका के कई इलाकों में देसी बम (क्रूड बम) फटने की भी खबरें आईं, जिनमें बनश्री, मोहाखाली, ढाका यूनिवर्सिटी कैंपस और चीफ मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट के बाहर की जगहें शामिल हैं।

अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

स्थिति को काबू में करने के लिए ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) ने सोमवार को राजधानी की अहम जगहों पर 160 नए चेकप्वाइंट बनाए और आगे की घटनाओं को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया।DMP के डिप्टी कमिश्नर (मीडिया) अख्तर हुसैन ने 'द डेली स्टार' को बताया कि हाल ही में हुए धमाकों और हमलों के सिलसिले में पुलिस ने पिछले 24 घंटों में कम से कम 19 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पीएम ने गोवर्धन पूजा पर दी शुभकामनाएं

श्रीकृष्ण भक्तों के भय का नाश करने वाले..मैं उनका भजन करता हूं: मोदी

नई दिल्ली। एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित पोस्ट करके गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के पावन दिन के शुभारंभ पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि नए वर्ष का यह पावन प्रारंभ सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई आशाएं लेकर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'नूतन वर्षाभिनंदन। नए साल की यह शुभ शुरुआत आप सभी के जीवन में खुशी, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई उम्मीदें लेकर आए। मेरी हार्दिक शुभकामनाएं हैं कि आप सभी का जीवन उत्तम स्वास्थ्य, आनंद और उत्साह से भरा रहे।'

प्रधानमंत्री की ओर से संस्कृत श्लोक, 'आभीरनगरीप्राणप्रियं सत्यपराक्रमम। स्वभृत्यभयभेत्तारं गोवर्धनधरं भजे।' साझा किया गया है, जिसका हिंदी अर्थ है कि जो ब्रजवासियों के लिए प्राणप्रिय हैं, सत्य पराक्रमी हैं और अपने भक्तों के भय का नाश करने वाले हैं, ऐसे गोवर्धन गिरिधारी श्रीकृष्ण का मैं भजन करता हूं।



श्री गोवर्धनधराष्टकम् का श्लोक किया साझा

पीएम की ओर से साझा किया गया यह श्लोक श्री गोवर्धनधराष्टकम् से लिया गया है। इस स्तोत्र में भगवान श्रीकृष्ण के 'गोवर्धनधारी' रूप की महिमा का गुणगान किया गया है। इस श्लोक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य गुणों और लीलाओं का वर्णन किया गया है।

जब देवराज इंद्र के अहंकार को तोड़ने और ब्रजवासियों की रक्षा करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था, तब उनका नाम 'गोवर्धनधर' पड़ा। इस स्तोत्र में भक्त श्रीकृष्ण के इसी संकटमोचन और कृपालु स्वरूप की आराधना की गई है।

इस श्लोक से श्रीकृष्ण की स्तुति करते हुए कहा गया है कि मैं उन गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले श्रीकृष्ण की आराधना करता हूं, जो अहीरों की नगरी (संपूर्ण ब्रज) के साक्षात प्राण और अत्यंत प्रिय हैं।

फिलीपींस में विमान हादसा, 6 विदेशी नागरिकों को ले जा रहा निजी प्लेन क्रैश

मनीला। एजेंसी

फिलीपींस में एक प्राइवेट प्लेन क्रैश हो गया है। इस प्लेट में छह विदेशी नागरिक सवार थे। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विमान में सवार किसी यात्री या चालक दल के सदस्य की मौत हुई है या नहीं। दावाओ डेल सुर के डिगोस शहर में आपदा प्रबंधन एजेंसी के अधिकारी जोमार कैलेडो ने बताया कि बचाव अभियान चल रहा है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, आपदा प्रबंधन के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिणी फिलीपींस में छह विदेशी नागरिकों को ले जा रहा एक



निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। दुर्घटना कैसे हुई, इसकी जानकारी फिलहाल साफ नहीं है। जांच कीजा रही है। एजेंसी का दावा है कि विमान में सवार लोगों की स्थिति और हादसे के कारणों का जल्द ही पता चलेगा।

गाजियाबाद चौकी में धमाका: आतंकियों ने किया वीपीएन का इस्तेमाल; सुरक्षा एजेंसियों को नहीं मिला आईपी एड्रेस

नई दिल्ली। एजेंसी

गाजियाबाद की वसुंधरा पुलिस चौकी में 6 नवंबर को हुए धमाके की जिम्मेदारी लेने वाले ई-मेल में ऐसे वर्चुअल निजी नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल किया गया है, जिसका सुरक्षा एजेंसियों को अब तक आईपी एड्रेस नहीं मिला है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल का कहना है कि ये बहुत की खास तरीके का वीपीएन है। इस वीपीएन में 40 आईपी एड्रेस एक साथ आते हैं। जांच एजेंसियों को सीसीटीवी फुटेज नहीं मिली है और न ही विस्फोटक का पता लगा है।



दिल्ली पुलिस और अन्य एजेंसियां पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी को लेकर जांच कर रही हैं। भट्टी के निशाने पर हमेशा पुलिस फोर्स रही है। भारत सरकार ने शहजाद भट्टी को हाल में आतंकी घोषित किया था।

तहरीक-उल-मुजाहिदीन ने डिलीट किया अकाउंट

दिल्ली पुलिस ने बताया कि धमाके के बाद एक्स पर गाजी 2 नाम के एक अकाउंट से वीडियो पोस्ट कर तहरीक-उल-मुजाहिदीन हिंदुस्तान नामक संगठन ने जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, यह अकाउंट बाद में डिलीट कर दिया गया। सुरक्षा एजेंसियां डिजिटल फुटप्रिंट्स को खंगालकर उस ओरिजिनल सोर्स तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

गोवर्धन पूजा के दौरान रीवा सांसद जर्नाद मिश्रा ने दिया विवादित बयान, किसान संगठनों ने जताया विरोध

रीवा सांसद बोले- तीन महीने मेहनत बाकी समय ताश, राजश्री और बोतल

VS

किसान महासंघ ने की निंदा, कहा- यह अन्नदाताओं का अपमान

मऊगंज। दोपहर मेट्रो

मऊगंज जिले के रकरी गांव में गोवर्धन पूजा के दौरान रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने किसानों की कार्यशैली को लेकर टिप्पणी की।

उन्होंने कहा था कि किसान साल में तीन महीने मेहनत करता है, जबकि बाकी नौ महीने ताश, राजश्री, बोतल, चिलम और 'जय भोले' में बिताता है। उनका यह बयान सामने आने के बाद किसान संगठनों और विपक्षी नेताओं ने विरोध जताया है। सांसद के बयान



का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के मऊगंज जिला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने इसकी निंदा की। उन्होंने कहा कि सांसद यह बयान अन्नदाताओं का अपमान है। उन्होंने कहा, एक ओर राज्य सरकार प्रदेश में कृषि वर्ष मना रही है। कई तरह के प्रयास कर किसानों को लाभ देने के दावे कर रही है। दूसरी ओर सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधि किसानों को शराबी और नशेड़ी बता रहे हैं। उन्होंने सांसद के बयान को अनर्गल और तर्कहीन बताया।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या तीन महीने में मूली, भाजी और आलू के अलावा कोई दूसरी फसल तैयार हो जाती है?

खाद की समस्याओं से भी जूझना पड़ता है

धान की बुवाई से लेकर निराई, गुड़ाई और गहाई के बाद गेहूं की फसल तक किसान सालभर खेतों में मेहनत करता है। नरेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों को आवारा गोवंश से फसलों की रखवाली करने के साथ खाद और बीज की कमी जैसी समस्याओं से भी जूझना पड़ता है। सांसद को कुछ भी अनर्गल बयान देने से पहले सोचना चाहिए।

राजस्थान: सीकर में CNG से भरा ट्रक पलटा

सीकर. एजेंसी। सीकर शहर में कल देर रात 1 बजे सीएनजी सिलेंडर से भरा एक ट्रक बैलेंस बिगड़ने पर पलट गया। ट्रक सांवली से जयपुर जा रहा था। इससे पहले ही हादसा हो गया। मौके पर पुलिस और फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। हालांकि घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। सदर थाना पवन कुमार चौबे ने बताया कि घटना सांवली चौराहे की है। सीएनजी सिलेंडर से भरा ट्रक अनबैलेंस होने पर सांवली चौराहे पर सड़क किनारे पलट गया। इस कारण जाम लग गया था। पुलिस ने ट्रैफिक को डायवर्ट करवाया। मौके पर फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। क्रेन से ट्रक को सीधा करवाकर रवाना किया गया।

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर, बाइक सवार 3 मरे



कन्नौज. एजेंसी। कन्नौज जिले के इंदरगढ़ थाना क्षेत्र में सोमवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार चालक फरार हो गया। एक साथ तीन लोगों की मौत की खबर मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। थाना क्षेत्र के अगौस गांव निवासी आशीष (24) अपने बड़े भाई मनीष (28) और गांव के ही वेद प्रकाश (50) व विजय (35) के साथ कल देर रात एक ही बाइक से कचाटीपुर गांव स्थित प्लाट से घर लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार इंदरगढ़-तिर्वा मार्ग पर कचाटीपुर गांव के पास पहुंचे। तभी कार ने टक्कर मार दी। विजय, वेदप्रकाश, मनीष की मौत हो गई।

मेट्रो एंकर पीछे छूटे अमिताभ, शाहरुख, मिथुन, मेले में गधों के नाम सितारों के नाम पर रखने की परंपरा

चित्रकूट के गधा मेले में छाया 'चंकी पांडे', 72 हजार की सबसे ऊंची बोली

चित्रकूट। एजेंसी

मंदाकिनी नदी के किनारे लगने वाले चित्रकूट के सदियों पुराने गधा मेले में सोमवार को गधों की बोली लगी। इस मेले में 'चंकी पांडे' (बॉलीवुड अभिनेता नहीं, बल्कि एक गधा) आकर्षण का केंद्र बन गया। चित्रकूट में दीवाली के दौरान हर साल यह 'गधा मेला' लगता है। इस मेले में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब और राजस्थान से लगभग 350 गधे और खच्चर लाए गए। चित्रकूट नगर परिषद के मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया कि इस साल करीब 80 जानवरों की खरीद-बिक्री हुई।

चित्रकूट में लगने वाले इस गधे मेले का बॉलीवुड से गहरा नाता है। गधों की तरफ व्यापारियों का ध्यान खींचने के



लिए जानवरों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर रखा जाता हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के पड़ोसी जिलों से भी व्यापारी और खरीदार यहां सौदेबाजी के लिए आते हैं।

मुख्य नगर अधिकारी अंकित सोनी ने बताया, 'ये फिल्मी नाम केवल मेले तक ही सीमित रहते हैं। इन जानवरों का उन मशहूर हस्तियों से कोई स्थायी संबंध नहीं होता। गधों का नाम फिल्मी सितारों के नाम पर इसलिए रख देते हैं ताकि मेले का माहौल दिलचस्प हो जाए।'

फिल्मी सितारों के नाम के कारण बढ़ जाता है मेले का आकर्षण

इस साल के मेले में अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, मिथुन चक्रवर्ती और चंकी पांडे के नाम के गधे शामिल थे, जिसमें 'चंकी पांडे' नाम के गधे की सबसे ज्यादा बोली लगी। यह गधा 72,000 रुपए में बिका। फिल्मी सितारों के नाम की वजह से भले ही मेले की तरफ लोगों को आकर्षण बढ़ जाता है, लेकिन खरीदार असल में काम की चीजों पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं। जानवर की नस्ल, कद-काठी, बनावट और ताकत ही उसकी कीमत तय करती है। मुगलकाल से हो रहा मेले का आयोजन माना जाता है कि यह मेला मुगल काल से चला आ रहा है। इसके पीछे एक स्थानीय कहानी है कि मुगल सेना के एक सैन्य अभियान के दौरान, उनके जानवरों की तबीयत खराब हो गई थी। कहा जाता है कि इसी घटना के बाद जानवरों की खरीद-बिक्री के लिए इस बाजार की शुरुआत हुई।

सदियों से चली आ रही परंपरा

यह परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन इसका भविष्य अब उतना पक्का नहीं है। आयोजकों का मानना है कि नई पीढ़ी के इससे दूर होने के कारण, इस मेले का आकर्षण धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। हो सकता है कि इसका पुराना आकर्षण फीका पड़ रहा हो, लेकिन फिल्मी सितारों के नाम की वजह से इसकी अहमियत अभी भी बरकरार है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524